Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 363
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार, 07 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 'तुमको मिर्ची लगी तो मैं क्या करूं'...

4 वेनेजुएला संकट : अमेरिकी निरंकुशता और ...

7 तलाक के बाद फिर एक साथ नजर आ ...

संक्षिप्त न्यूज

क्रिकेटर मोहम्मद शमी, एक्टर और टीएमसी सांसद को भी नोटिस, बंगाल एंटे में सुनवाई के लिए बुलाया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और उनके भाई मोहम्मद कैफ को भारतीय चुनाव आयोग के समक्ष विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सुनवाई के लिए नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस दक्षिण कोलकाता के जादवपुर इलाके के कार्तजू नगर स्कूल से आधिकारिक तौर पर जारी किया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शमी कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के वार्ड नंबर 93 के मतदाता हैं, जो राशबेहारी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। शमी की सुनवाई 9 से 11 जनवरी के बीच निर्धारित की गई है। सोमवार को निर्धारित सुनवाई में शमी उपस्थित नहीं हो सके क्योंकि वे राजकोट में विजय हजारे ट्रॉफी में बंगाल का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कथित तौर पर चुनाव आयोग को सूचित किया है कि वे बाद में सुनवाई के लिए उपस्थित होंगे।

एसआईआर की सुनवाई प्रक्रिया 27 दिसंबर से शुरू होने के साथ ही भारतीय तेज गेंदबाज क्रिकेटर मोहम्मद शमी और TMC सांसद और अभिनेता देव और उनके परिवार के सदस्यों को सुनवाई के लिए बुलाया गया है। ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, निर्वाचन आयोग के एक पर्यवेक्षक ने कहा कि शमी की सुनवाई की तारीख 5 जनवरी तय थी। वह राजकोट में खेल रहे थे। मैपिंग हिस्से में कुछ डेटा गायब था। उनके लिए एक अलग तारीख फिर से तय की जाएगी। इस बीच, देव और उनके परिवार के सदस्यों को भी सुनवाई के लिए तलब किया गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने रविवार को CBC ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर बंगाल एसआईआर को रोकने की मांग की थी।

राष्ट्रपति मुर्मू का आदेश

अब Union Territories में प्रशासक लागू करेंगे Industrial Relations Code

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासकों और उपराज्यपालों को औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 के अंतर्गत 'उपयुक्त सरकार' की शक्तियों का प्रयोग करने और कार्यों का निर्वहन करने के लिए अधिकृत किया है। इस कदम का उद्देश्य सभी केंद्र शासित प्रदेशों में श्रम कानूनों के कार्यान्वयन में स्पष्टता और एकरूपता सुनिश्चित करना है।यह निर्देश संविधान के अनुच्छेद 239 के खंड (1) के तहत जारी किया गया है और 16 जनवरी, 2023 और 22 जून, 2023 को जारी की गई पिछली अधिसूचनाओं का स्थान लेता है।

हालांकि, गृह मंत्रालय द्वारा 2 जनवरी को जारी की गई नई अधिसूचना में यह स्पष्ट किया गया है कि पिछली अधिसूचनाओं के अंतर्गत पहले से की गई या छोड़ी गई कार्रवाइयां अप्रभावित रहेंगी, जिससे निरंतरता और कानूनी निश्चितता बनी रहेगी। अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, चंडीगढ़, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, लद्दाख और

जम्मू और कश्मीर के प्रशासक या उपराज्यपाल, राष्ट्रपति के नियंत्रण के अधीन रहते हुए और अगले आदेश तक, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 के तहत उपयुक्त सरकार या राज्य सरकार की शक्तियों का प्रयोग करेंगे।

संविधान के अनुच्छेद 239 के खंड (1) के अनुसरण में और अधिसूचना संख्या एस.ओ. 273(ई), दिनांक 16 जनवरी, 2023, एस.ओ. 2750(ई), दिनांक 22 जून, 2023 और एस.ओ. 2752(ई), दिनांक 22 जून, 2023 को निरस्त करते हुए, उन कार्यों को छोड़कर जो ऐसे निरस्तीकरण से पहले किए जाने थे या नहीं किए जाने थे, राष्ट्रपति एतद्द्वारा निर्देश देते हैं कि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के प्रशासक या उपराज्यपाल। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, चंडीगढ़, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, लद्दाख और जम्मू और कश्मीर, राष्ट्रपति के नियंत्रण के अधीन रहते हुए और अगले आदेश तक, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 (35 ऑफ 2020) के तहत उपयुक्त सरकार या राज्य सरकार की शक्तियों का प्रयोग करेंगे और कार्यों का निर्वहन करेंगे, उन क्षेत्रों के लिए जहां उक्त केंद्र शासित प्रदेशों को उपयुक्त सरकार या राज्य सरकार के रूप में कार्य करना आवश्यक है। ये शक्तियां उन क्षेत्रों में लागू होंगी जहां संबंधित केंद्र शासित प्रदेशों को कानून के तहत उपयुक्त सरकार के रूप में कार्य करना आवश्यक है।

ईसी के पास मतदाता सूची के एसआईआर का अधिकार..', सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग की दलील

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि उसके पास मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने का पूरा अधिकार और क्षमता है। साथ ही यह उसकी सांविधानिक जिम्मेदारी है कि कोई भी विदेशी नागरिक मतदाता के रूप में दर्ज न हो। आयोग की ओर से वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष यह दलील रखी।

पीठ ने उन याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई फिर शुरू की, जिनमें बिहार समेत कई राज्यों में एसआईआर कराने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। इन याचिकाओं में आयोग की शक्तियों की सीमा, नागरिकता और मतदान के अधिकार से जुड़े सांविधानिक सवाल उठाए गए हैं।

वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि संविधान के अनुसार राज्य के तीनों अंगों के सभी प्रमुख सांविधानिक पदों पर बैठे लोगों का भारतीय नागरिक होना जरूरी है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति से जुड़े संविधान के अनुच्छेद 124(3) का भी हवाला दिया।

विजय की सियासी मुश्किलें बढ़ीं, करूर भगदड़ केस में सीबीआई ने पूछताछ के लिए बुलाया

चेन्नई (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अभिनेता-राजनेता और तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) के संस्थापक विजय को करूर भगदड़ मामले में पूछताछ के लिए 12 जनवरी को नई दिल्ली स्थित एजेंसी मुख्यालय में तलब किया है। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है। 27 सितंबर को तमिलगा वेट्री कज़गम प्रमुख विजय की रैली के दौरान हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई और 60 से अधिक लोग घायल हो गए। सीबीआई ने 26 अक्टूबर को भगदड़ की जांच अपने हाथ में ले ली। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने इस मामले में तमिलगा वेट्री कज़गम के कई पदाधिकारियों से पूछताछ की है।

इससे पहले 27 अक्टूबर को, विजय ने महाबलीपुरम के एक रिसॉर्ट में पीड़ितों के परिवार वालों से मुलाकात की, ठीक एक महीने बाद जब यह घातक भगदड़ हुई थी। विजय और उनकी पार्टी ने करूर भगदड़ पर बार-बार दुख व्यक्त किया है और इस घटना में अपनों को खोने वाले परिवारों को 20 लाख रुपये देने का वादा किया है। इसके अलावा, घायलों को भी 2 लाख रुपये दिए जाएंगे। पार्टी ने यह राशि परिवारों के खातों में जमा भी कर दी है। टीवीके नें पर पोस्ट किया, '39 परिवारों को 20-20 लाख रुपये भेजे जा चुके हैं, कुल मिलाकर 7.8 करोड़ रुपये।'

पीयूष गोयल का बड़ा आरोप, 'तमिलनाडु में डीएमके सरकार कर रही सनातन धर्म का अपमान'

चेन्नई। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले पर संतोष व्यक्त किया, जिसमें तिरुप्परनकुंड्रम मंदिर के दीपपथून पर दीप प्रज्ज्वलन संबंधी न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन के आदेश को बरकरार रखा गया था। उन्होंने तमिलनाडु सरकार पर सनातन धर्म का अपमान करने, उपहास उड़ाने और उस पर हमला करने का आरोप लगाया। राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सितंबर 2023 में सनातन धर्म को ही जड़ से खत्म करने की दुस्साहसी और निंदनीय मांग की थी। उन्होंने आगे कहा कि कुछ महीनों बाद ही भगवान कार्तिकेय और भगवान मुरुगन से जुड़े तिरुप्परनकुंड्रम पर्वत पर दीप प्रज्ज्वलन पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

गोयल ने कहा कि यह महज एक संयोग नहीं है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन और डीएमके के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने लगातार सनातन धर्म की निंदा, उपहास और उस पर हमले किए

हैं। 2 सितंबर 2023 को उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म के उन्मूलन की एक दुस्साहसी और निंदनीय मांग रखी और उसके कुछ महीनों बाद पहली बार भगवान कार्तिकेय, भगवान मुरुगन से जुड़े तिरुप्परनकुंड्रम पर्वत पर दीपक जलाने से रोका गया।

गोयल ने कहा कि यह अत्यंत संतोष की बात है कि तमिलनाडु उच्च न्यायालय ने तिरुप्परनकुंड्रम पहाड़ियों पर स्थित इस प्राचीन मंदिर के भक्तों को न्याय दिलाया है, जहां भगवान मुरुगन विराजमान हैं। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में अत्यंत संतोष की बात है कि तमिलनाडु उच्च न्यायालय ने आज पारित खंडपीठ के आदेश में तिरुप्परनकुंड्रम पहाड़ियों पर स्थित इस प्राचीन मंदिर के भक्तों को न्याय दिलाया है, जहां भगवान मुरुगन विराजमान हैं। सदियों से भगवान कार्तिकेय के सम्मान में दीपक प्रज्वलित किए जाते रहे हैं और सदियों से हिंदू धर्म में भगवान की पूजा की जाती रही है और दीपक प्रज्वलित करने की यह परंपरा चली आ रही है। इस वर्ष, 4 दिसंबर, 2025 को दीपक प्रज्वलित किए जाने की उम्मीद थी।

गोयल ने जोर देकर कहा कि इस संयोग को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि राज्य सरकार ने 2024 में भी इन परंपराओं का पालन करने की अनुमति नहीं दी थी।

सीएम ममता बनर्जी ने लगाया गंभीर आरोप

'भाजपा आईटी सेल के बनाए मोबाइल एप से एसआईआर करा रहा चुनाव आयोग'

गंगानगर (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोग राज्य में एसआईआर अभ्यास को कराने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी सेल के बनाए मोबाइल एप्लिकेशन का इस्तेमाल कर रहा है। मुख्यमंत्री बनर्जी दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप में गंगासागर मेले की तैयारियों का जायजा लेने के लिए दो दिन की यात्रा पूरी करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने कहा, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान चुनाव आयोग 'हर तरह के गलत तरीके' अपना रहा है। उन्होंने कहा, एसआईआर कराने के लिए चुनाव आयोग हर तरह के गलत कदम उठा रहा है। वह योग्य मतदाताओं को मृत घोषित कर रहा है और बुजुर्ग, बीमार और असहाय लोगों को सुनवाई में आने के लिए मजबूर कर रहा है। वह

इस काम के लिए भाजपा के आईटी सेल के बनाए मोबाइल एप का इस्तेमाल कर रहा है। यह अवैध, असांविधानिक और अलोकतांत्रिक है। ऐसे नहीं चल सकता।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो की ओर से यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब उनकी पार्टी के सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर को कराने के लिए आयोग ने मनमाने और प्रक्रिया के खिलाफ कदम उठाए हैं। टीएमसी ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया ने राज्य के योग्य और वास्तविक मतदाताओं की परेशानियों को काफी बढ़ा दिया है। ममता बनर्जी ने कहा, मैं जनता से अपील करती हूं कि एसआईआर में भाग लेते समय सतर्क रहें। जो लोग जरूरतमंद हैं, उनके साथ खड़े रहें। उन्हें मेरा समर्थन करने की जरूरत नहीं है, केवल लोगों का साथ दें, जो इस प्रक्रिया की वजह से परेशानी में हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा रेलवन एप्प के माध्यम से डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देने की पहल

आर-वॉलेट के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुकिंग पर तीन प्रतिशत कैशबैक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों को रेलवन एप्प के माध्यम से डिजिटल, त्वरित एवं कैशलेस टिकटिंग अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक व्यापक जन-जागरूकता एवं प्रचार अभियान प्रारंभ किया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यात्रियों की सुविधा को बढ़ाना तथा यात्रा को अधिक सरल, सुरक्षित और सुगम बनाना है। रेलवन एप्प एक एकीकृत मंच प्रदान करता है, जिसके माध्यम से यात्री आरक्षित टिकट बुकिंग, अनारक्षित टिकट एवं प्लेटफॉर्म टिकट, ट्रेनों की वास्तविक समय की जानकारी, ग्राहक सहायता सहित रेलवे की विभिन्न सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर प्राप्त कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, टिकट बुकिंग कर्मियों, टिकट जांच कर्मियों तथा संबंधित पर्यवेक्षकों को रेलवन एप्प की विशेषताओं के बारे में जागरूक किया गया है, ताकि वे यात्रियों को प्रभावी रूप से मार्गदर्शन एवं प्रेरणा प्रदान कर सकें। वाणिज्यिक पर्यवेक्षक एवं टिकट जांच कर्मी स्टेशनों पर सक्रिय रूप से प्रचार अभियान चला रहे हैं, जिससे एप्प की उपयोगिता और सरलता को यात्रियों तक पहुँचाया जा सके।

सार्वजनिक जागरूकता को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए स्टेशनों पर सूचना

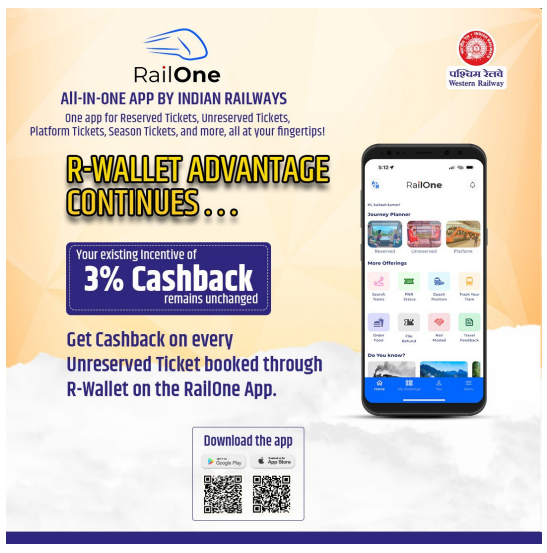

पोस्टर एवं पर्चे प्रदर्शित तथा वितरित किए जा रहे हैं। इसके साथ-साथ प्रमुख स्टेशनों पर विशेष सहायता काउंटर स्थापित किए गए हैं और जन उद्घोषणा प्रणाली तथा पश्चिम रेलवे के आधिकारिक सामाजिक माध्यमों के माध्यम से नियमित घोषणाएँ की जा रही हैं। अतिरिक्त प्रोत्साहन के रूप में, रेलवन एप्प पर डिजिटल भुगतान माध्यमों के जरिए अनारक्षित टिकट बुक करने वाले यात्रियों को तीन प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है, जो चौदह जनवरी दो हजार छब्बीस से चौदह जुलाई दो हजार छब्बीस तक लागू रहेगी।

टिकटिंग सेवाओं के अतिरिक्त रेलवन एप्प पर ट्रेन खोज, पीएनआर स्थिति, डिब्बा स्थिति, अपनी ट्रेन का पता लगाना, भोजन ऑर्डर करना, धनवापसी दर्ज करना, रेल मदद तथा गो-टू-वेल्स जैसी अनेक सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिससे यात्रियों को यात्रा से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी और सेवाएँ एक ही मंच पर प्राप्त हो सकें।

वर्तमान में यूटीएस एप्प का उपयोग कर रहे यात्रियों को भारतीय रेल के सर्व-समावेशी मोबाइल एप्प रेलवन पर सहज रूप से स्थानांतरित होने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके लिए एक सरल चरणबद्ध स्थानांतरण प्रक्रिया उपलब्ध कराई गई है, जिसके माध्यम से मौजूदा यूटीएस उपयोगकर्ता अपने खाते को रेलवन एप्प में स्थानांतरित कर सकते हैं, जिससे उपयोगकर्ता विवरण सुरक्षित रूप से स्थानांतरित हो सके और सेवाओं का उपयोग बिना किसी बाधा के निरंतर जारी रहे।

रेलवन एप्प तक आसान पहुँच सुनिश्चित करने के लिए एंड्रॉयड तथा आईओएस उपयोगकर्ताओं के लिए क्यूआर कोड स्कैनर स्टेशनों पर तथा पश्चिम रेलवे के आधिकारिक सामाजिक माध्यमों के माध्यम से प्रचारित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, स्टेशनों पर तैनात कर्मचारियों एवं एक-तीन-नौ टोल-फ्री सहायता क्रमांक पर कार्यरत कर्मियों को भी रेलवन एप्प से संबंधित यात्रियों के प्रश्नों के समाधान हेतु प्रशिक्षित किया गया है।

श्री विनीत अभिषेक ने बताया कि रेलवन एप्प के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने वाले यात्रियों को आर-वॉलेट के जरिए भुगतान करने पर तीन प्रतिशत कैशबैक का लाभ मिलेगा। उन्होंने विशेष रूप से यूटीएस एप्प के वर्तमान उपयोगकर्ताओं से आग्रह किया कि वे रेलवन एप्प पर स्थानांतरित होकर इसकी एकीकृत सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाएँ तथा डिजिटल, सुरक्षित और कैशलेस टिकटिंग को अपनाकर पश्चिम रेलवे पर सुगम, स्मार्ट और अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव प्राप्त करें।

नाबालिग को इंस्टा पर प्रेम जाल में फंसाया, एमपी ले जाकर महीनों तक किया प्रताड़ित, जांच में जुटी पुलिस

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर में सोशल मीडिया के माध्यम से एक नाबालिग को प्रेम जाल में फंसाकर अपहरण, दुष्कर्म और उसे धमकाने का मामला सामने आया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि पालघर के वालिव क्षेत्र की रहने वाली 17 वर्षीय पीड़िता की आरोपी से इंस्टाग्राम पर मित्रता हुई थी। बातचीत के दौरान उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई। इसके बाद पीड़िता आरोपी के साथ मध्य प्रदेश चली गई।

पुलिस अधिकारी ने क्या कहा?

एक पुलिस अधिकारियों के अनुसार, किशोरी फरवरी से सितंबर 2025 के बीच आरोपी के साथ रही। इस दौरान उसे कथित तौर पर शारीरिक यातनाएं दी गईं और उसका यौन शोषण किया गया। इसके बाद सितंबर में पीड़िता किसी तरह वहां से निकलने में कामयाब रही और अपने माता-पिता के पास लौट आई। पीड़िता ने बताया कि घर लौटने के बाद आरोपी ने उसे बदनाम करने और वापस बुलाने के लिए सोशल मीडिया पर उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें और सामग्री प्रसारित करना शुरू कर दिया।

जांच में जुटी पुलिस

इससे पहले, पिछले वर्ष फरवरी में किशोरी के लापता होने पर उसके परिवार ने आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया था। अब पीड़िता की बहन की नई शिकायत के आधार पर पुलिस ने 28 दिसंबर, 2025 को आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 64 (दुष्कर्म), लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

भुसावल मंडल को दिसंबर 2025 में एक सौ बावन दशमलव पचानवे करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भुसावल रेल मंडल ने वित्तीय वर्ष दो हजार पच्चीस-छब्बीस के अंतर्गत दिसंबर दो हजार पच्चीस माह में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए विभिन्न आय स्रोतों से कुल एक सौ बावन दशमलव पचानवे करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सुनियोजित कार्यप्रणाली, कुशल प्रबंधन तथा मजबूत टीम भावना का प्रतिफल है।

दिसंबर दो हजार पच्चीस का राजस्व विवरण (राशि करोड़ रुपये में)

यात्री आय के अंतर्गत मंडल को उन्नासी दशमलव छिहत्तर करोड़ रुपये प्राप्त हुए, जो दिसंबर दो हजार चौबीस की तुलना में लगभग तेईस प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय एवं समयबद्ध सेवाएं प्रदान करने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया है।

अन्य कोचिंग आय के रूप में छह दशमलव चवालीस करोड़ रुपये अर्जित किए गए, जिसमें आरक्षण शुल्क, पार्सल सेवाएं तथा कोचिंग से संबंधित विभिन्न गतिविधियों से प्राप्त आय शामिल है।

माल ढुलाई आय के अंतर्गत चौंसठ दशमलव इक्यावन करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जिसमें पेट्रोलियम उत्पाद, प्याज, डीओसी, ऑटोमोबाइल एनएमजी, खाद्यान्न एवं सीमेंट जैसी विभिन्न वस्तुओं के परिवहन से अर्जित आय सम्मिलित है।

विविध आय के रूप में दो दशमलव चौबीस करोड़ रुपये अन्य शुल्कों, सेवाओं एवं विभिन्न स्रोतों से प्राप्त हुए। टिकट जांच अभियानों की उपलब्धि दिसंबर दो हजार पच्चीस के दौरान संचालित सघन एवं योजनाबद्ध टिकट जांच अभियानों में बिना टिकट, अनुचित अथवा अवैध यात्रा अधिकार के साथ यात्रा करने वाले साठ हजार छह सौ सत्तर यात्रियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इन अभियानों से चार दशमलव अट्ठावन करोड़ रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। दिसंबर दो हजार चौबीस में यह राशि चार दशमलव शून्य पाँच करोड़ रुपये थी, जिससे लगभग तेरह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

भुसावल रेल मंडल यात्रियों को और अधिक बेहतर, सुरक्षित एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नवाचारों को अपनाना, डिजिटल तकनीक का प्रभावी उपयोग, स्वच्छता अभियानों का संचालन, यात्री सुविधाओं का विस्तार तथा तकनीकी उन्नयन जैसे क्षेत्रों में मंडल द्वारा लगातार अनेक पहलें की जा रही हैं। यात्रियों से अपील की जाती है कि वे असुविधा एवं दंड से बचने हेतु उचित एवं वैध टिकट लेकर जिम्मेदारीपूर्वक यात्रा करें।

साथ ही रेलवे प्रशासन सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि अपनी सुविधा एवं सुरक्षा के लिए रेलवन मोबाइल एप्प डाउनलोड कर टिकट खरीद एवं यात्रा संबंधी सेवाओं का डिजिटल माध्यम से उपयोग करें। इससे समय की बचत होगी, भीड़ से राहत मिलेगी तथा यात्रा अधिक सुरक्षित, सुगम एवं सुखद बनेगी।

उत्तरायण मनाए , रेलवे ओवर हेड वायर से दूरी बनाए

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के सभी खंडों में रेलवे लाइन के ऊपर 25,000 वोल्ट की ओवरहेड इलेक्ट्रिक हाई वोल्टेज तारें लगी हुई हैं, यह अत्यंत खतरनाक एवं जानलेवा हैं।वडोदरा मंडल आप से अपील करता हे की आप उत्तरायण मनाए एवं अपनी सुरक्षा का भी ध्यान रखे ,रेलवे ट्रैक के पास पतंग न उडाये ।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उत्तरायण/मकर संक्रांति पर्व के दौरान पतंग उड़ाते समय पतंग की डोर (मांझा) इन हाई वोल्टेज तारों में उलझ जाती है। इस दौरान पतंगों के धागों को निकालने के लिए बांस व बांस पर अन्य धातुके हुक का उपयोग करते हैं । जिसके कारण व्यक्तिओं को बिजली का झटका लगने से जान का खतरा बना रहता हैं ।

इस दौरान 25000 वोल्ट के बिजली के तार टूट कर नीचे गिर सकते हैं, जिससे रेल यातायात में बाधा उत्पन्न हो सकती हैं, व्यवधान के साथ - साथ जान जाने की सम्भावना रहती हैं ।

साथ ही ऐसे मामलों में रेलवे कर्मचारी जब ट्रैक पर कार्य करते हैं, तो इन धागों के संपर्क में आने से गंभीर विद्युत झटके का खतरा बना रहता है।

रेल प्रशासन सभी नागरिकों से अपील करता है कि सामाजिक हित को ध्यान में रखते हुए स्वयं सतर्क रहें तथा दूसरों को भी अधिक से अधिक जागरूक करें। अपनी एवं दूसरों की सुरक्षा हेतु कृपया निम्नलिखित सावधानियां अवश्य अपनाएं:

रेलवे ट्रैक, ब्रिज, स्टेशन, पोल एवं ओवरहेड तारों से दूर पतंग उड़ाएं।

रेलवे क्षेत्र में गिरी या फंसी हुई पतंग अथवा मांझा उठाने का प्रयास न करें।

बच्चों पर विशेष ध्यान रखें और उन्हें रेलवे क्षेत्र से दूर रखें।

सुरक्षित रहें – जिम्मेदारी के साथ उत्तरायण मनाएं।

भारतीय रेलवे का 'ऑल-इन-वन' सुपर ऐप 'रेलवन' – डिजिटल सुविधा के साथ अनारक्षित टिकट बुकिंग पर 3% की छूट

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय रेलवे ने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने तथा यात्रियों की सुविधा में वृद्धि के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की है। भारतीय रेलवे के 'ऑल-इन-वन' सुपर ऐप रेलवन ऐप के माध्यम से अब अनारक्षित टिकट बुकिंग पर विशेष डिजिटल लाभ प्रदान किया जा रहा है। वर्तमान में रेलवन ऐप पर आर-वॉलेट के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने वाले यात्रियों को 3इ बोनस कैशबैक की सुविधा उपलब्ध है। डिजिटल बुकिंग के दायरे को और अधिक विस्तृत करने तथा कैशलेस भुगतान प्रणालियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अब एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

इस पहल के अंतर्गतः

रेलवन ऐप पर आर-वॉलेट के अतिरिक्त अन्य सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों पर 3% की सीधी छूट प्रदान की जाएगी।

आर-वॉलेट के माध्यम से टिकट बुक करने वाले यात्रियों को पूर्ववत 3इ बोनस कैशबैक बिना किसी परिवर्तन के मिलता रहेगा।

यह विशेष डिजिटल छूट योजना 14 जनवरी 2026 से 14 जुलाई 2026 तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि में यात्रियों को न केवल आर्थिक लाभ मिलेगा, बल्कि तेज़, सुरक्षित और पारदर्शी डिजिटल टिकट बुकिंग का सहज अनुभव भी प्राप्त होगा।

रेलवन ऐप स्मार्ट, सुरक्षित एवं यात्री-केंद्रित डिजिटल समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो भारतीय रेलवे नेटवर्क में डिजिटल सशक्तिकरण और यात्रा को सरल बनाने के व्यापक दृष्टिकोण को सुदृढ़ करता है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इन लाभों का अधिकतम उपयोग करें और डिजिटल माध्यमों के जरिए परेशानी-मुक्त अनारक्षित टिकट बुकिंग का अनुभव लें।

रेलवे उपयोगकर्ता एंड्रॉइड डिवाइस पर प्ले स्टोर तथा आईओएस डिवाइस पर ऐप स्टोर से रेलवन ऐप आसानी से डाउनलोड कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे

स्फेरोइलास्टिक बेयरिंग

डिप्टी चीफ मटेरियल मैनेजर, कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, लोअर परेल, मुंबई 400013, टेंडर नंबरः Dy.CMM/PL/CP/OT, तारीखः 01.01.2026, टेंडर नंबरः 52256912 के लिए टेंडर आमंत्रित करते हैं। **संक्षिप्त विवरणः स्फेरोइलास्टिक बेयरिंग (साइलेंट ब्लॉक)। टेंडर मात्राः** 216 नग। **कुल मूल्यः** 7518960.00। **अंतिम तिथिः** 04/02/26। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0976

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे – भावनगर मण्डल

विभिन्न इंजीनियरींग कार्य

क्रम सं.	ई–निविदा सं.	कार्य का नाम	निविदा मूल्य (₹)	ईएमडी (₹)
01	245-2025-26	भावनगर टर्मिनस (BVC) – यार्ड रिमोडलिंग एवं इंटरलॉकिंग का सुधार।	24,70,31,566.21	13,85,200.00
02	246-2025-26	DEN/पूर्व क्षेत्राधिकार ग्रुप कार्य (1) भावनगर मण्डल– प्रमुख एवं महत्वपूर्ण पुलों पर TRR (P) 20.808 Tkm के स्वीकृत हो चुके कार्य के सामने प्रमुख एवं महत्वपूर्ण पुलों पर TRR (P) 4.918 Tkm (2) भावनगर मण्डल – 2 से 4 डिग्री मोड पर SWR से LWR के रूपांतरण के कार्य में धोला–भावनगर और साबरमती–बोटाद अनुभाग में 2 से 4 डिग्री मोड पर SWR से LWR का रूपांतरण (3) बोटाद–धोला अनुभाग : बोटाद से LC सं. 163 तक (2 कि.मी.) थ्रु स्लीपर रिन्युअल।	1,47,67,157.50	2,23,800.00
03	247-2025-26	भावनगर मण्डल – ऑफ–साइड स्टेशन भवन में P.Man के लिए गुमटी का प्रावधान।	82,38,400.81	1,64,800.00
04	248-2025-26	"भावनगर टर्मिनस : ट्रिप इंसपेक्शन शेड के निर्माण/विकास" के स्वीकृत हो कार्य के संबंध में पुल सं. 187 का विस्तार।	72,46,055.29	1,44,900.00
05	249-2025-26	भावनगर मण्डल : 52 स्टेशनों अंतर्गत 150 लि. क्षमता के 57 वॉटर कुलर्स का प्रावधान।	53,62,122.31	1,07,300.00

उपरोक्त सभी निविदा के लिए :– बिडिंग प्रारंभ होने की तारीख: 14/01/2026 एवं बिडिंग समापन की तारीख: 28/01/2026 वेबसाईट विवरण www.ireps.gov.in

BVP-235

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: x.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे – राजकोट मण्डल

LCs अंतर्गत बैटरी सहित IPS का प्रावधान, टाईप–।। क्वॉर्टर्स का प्रतिस्थापन और टर्नआउट के स्थानांतरण द्वारा खराब लेआउट की सुधारणा

ई-निविदा सूचना संख्या 44 वर्ष 2025-26 दिनांक : 05/01/2026

क्रम सं.	ई-निविदा संख्या	कार्य का नाम	NIT की अनुमानित लागत (₹)	बयाना राशि (₹)
01	डीआरएम–आरजेटी 2025–26–E–60R	राजकोट मण्डल :– सहायक मण्डल इंजीनियर – वांकानेर अंतर्गत LC सं. 69, 74, 82, 90 पर बैटरी रूम सहित IPS का प्रावधान।	35,29,485.36	70,600.00
02	डीआरएम–आरजेटी 2025–26–E–03R2	राजकोट मण्डल :– ओखा :– टाईप–।। क्वॉर्टर्स (16 नंग) का प्रतिस्थापन।	3,27,64,690.54	3,13,800.00
03	डीआरएम–आरजेटी 2025–26–E–93	कानालुस :– टर्नआउट के राजकोट की ओर 18 m तक स्थानांतरण द्वारा पोरबंदर की ओर पॉइंट 112 से खराब लेआउट की सुधारणा।	26,71,035.45	53,400.00

निविदा खुलने की तारीख एवं समय: दिनांक: 29/01/2026 को 15:00 बजे। कार्यालय का पता: मण्डल रेल प्रबन्धक (इंजी.), पश्चिम रेलवे, कोठी कम्पाउन्ड, राजकोट, गुजरात–360001, वेबसाईट: www.ireps.gov.in

RJT-181

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: x.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर, मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिमी रेलवे
डिविजनल रेलवे मैनेजर, कमर्शियल डिपार्टमेंट, NFR सेक्शन मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008
कार्य - मुंबई डिवीजन में विभिन्न NFR मीडिया के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन

नीलामी कैटलॉग नंबर	नीलामी शुरू (सभी लॉट)
MMCT-PnU-25-14	23-01-26 13:00:00

क्र. सं.	लॉट नंबर	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की अंतिम तिथि और समय
1	PnU-BCT-MMCT-WRL-80-25-1 (Pay and Use-Lounges / Waiting / Retiring / Cloak Rooms)	मुंबई सेंट्रल (MMCT) स्टेशन पर रिटायरिंग रूम/डॉरमेट्री के रिनोवेशन, ऑपरेशन और मेंटेनेंस के लिए ई-ऑक्शन	1826	23-01-26 13:30:00

नीलामी कैटलॉग नंबर	नीलामी शुरू (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM25-47	23-01-26 14:00:00

क्र. सं.	लॉट नंबर	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की अंतिम तिथि और समय
1	MSS-BCT-DDR-STGen-96-26-1 (Misc - Static - Services - Static General)	दादर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 05 की बाउंड्री वॉल के पास, पे एंड यूज़ एंट्री नंबर 12 से सटे वेयरहाउसिंग फैसिलिटी (पार्सल ट्रैफिक के लिए) का डेवलपमेंट, ऑपरेशन और मैनेजमेंट।	1096	23-01-26 14:30:00
2	MSS-BCT-BDTS-STGen-91-25-1 (Misc - Static - Services - Static General)	बांद्रा टर्मिनस पर उत्तर छोर के प्लेटफॉर्म नंबर 01 और कोच केयर सेंटर की बाउंड्री वॉल के बीच स्थित वेयरहाउसिंग सुविधा (पार्सल ट्रैफिक के लिए) का विकास, संचालन और प्रबंधन।	1096	23-01-26 14:40:00
3	MSS-BCT-PLG-PrKiosk-53-25-1 (Misc-Static- Services - Promotional Kiosk)	पालघर (PLG) और बोईसर (BOR) स्टेशनों पर तीन साल की अवधि के लिए प्रमोशनल कियोस्क / प्रोडक्ट डिस्प्ले के ज़रिए कमर्शियल विज्ञापन के कॉन्ट्रैक्ट के लिए ई-ऑक्शन।	1096	23-01-26 14:50:00

नीलामी कैटलॉग नंबर	नीलामी शुरू (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-68	23-01-26 15:00:00

क्र. सं.	लॉट नंबर	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की अंतिम तिथि और समय
1	ADVT-BCT-ADH-OH-466-26-1 (Advertising - Out of Home)	अंधेरी स्टेशन के पश्चिमी हिस्से में प्रवेश/निकास द्वार के ऊपर एलसीडी/एलईडी की स्थापना के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करने हेतु थोक विज्ञापन अधिकार। विज्ञापन का आकार 20' X 10' (1) होगा, जिसका कुल विज्ञापन क्षेत्रफल 200 वर्ग फुट है। यह विज्ञापन अधिकार 5 वर्षों की अवधि के लिए प्रदान किए जाएंगे।	1826	23-01-26 15:30:00

संपर्क विवरणः- लैंडलाइन नंबरः- 02267644212, ईमेल आईडीः- acmadvtgbct@gmail.com नोटः इच्छुक बोली लगाने वालों से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट के अनुसार विवरण वहां बताए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं। 0981

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

68 सीटों पर निर्विरोध जीत को लेकर विपक्ष पर फड़णवीस का तंज

'तुमको मिर्ची लगी तो मैं क्या करूं'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

धुले। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को उन विपक्षी दलों पर तंज कसा, जिन्होंने राज्य में आगामी नगर निगम चुनावों में महायुति की 68 सीटों पर निर्विरोध जीत को लेकर आलोचना की। उन्होंने कहा, 'तुमको मिर्ची लगी तो मैं क्या करूं?' यह बात उन्होंने 15 जनवरी को होने वाले 29 नगर निगम चुनावों से पहले उत्तर महाराष्ट्र के धुले में एक रैली को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने धुले में भाजपा के चार नगरसेवकों को निर्विरोध चुनने के लिए मतदाताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, हम पूरे दिल से इस समर्थन को स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा कि अब तक 35 लोकसभा सांसद निर्विरोध चुने गए हैं, जिनमें से 33 कांग्रेस के शासनकाल में थे। फडणवीस ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, अगर आपके समय में कोई निर्विरोध चुनाव हुआ, तो लोकतंत्र पर खतरा नहीं था, और अगर हमारे समय में ऐसा हुआ, तो लोकतंत्र खतरे में है।

धुले को महाराष्ट्र का प्रवेश द्वार बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर के एक ओर गुजरात और दूसरी ओर मध्य प्रदेश है। उन्होंने यह भी कहा कि धुले का विकास तब तक नहीं हुआ, जब तक 2003 में निगम बनने के बाद भाजपा सत्ता में नहीं आई।

नगर निगम चुनावों से पहले महायुति उम्मीदवारों की निर्विरोध जीत का मामला सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में पहुंचा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के एक नेता ने 68 सीटों पर परिणामों की घोषणा पर रोक लगाने और कथित तौर पर 'बलपूर्वक नाम वापस लेने' की जांच की मांग की।

इसके एक दिन पहले शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने यह कहते हुए राज्य निर्वाचन आयोग से इन 68 सीटों के परिणाम रद्द करने की अपील की थी कि निर्विरोध जीत से जेन-जी और पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं के अधिकारों को छीना जा रहा है। राज्य कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल ने भी भाजपा नेतृत्व वाले महायुति पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सत्ता की लालसा ने लोकतंत्र को निगलने की हद तक पहुंच गई है।

पत्रकार दिवस के अवसर पर नवी मुंबई महानगरपालिका के प्रेस कक्ष में पत्रकार बालशास्त्री जांभेकर को श्रद्धांजलि

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पत्रकार दिवस के अवसर पर नवी मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय के प्रेस कक्ष में 'दर्पणकार' बालशास्त्री जांभेकर के चित्र का विधिवत पूजन कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विभिन्न समाचार पत्रों के प्रतिनिधि, पत्रकार तथा वृत्तचित्र चैनलों के कैमरामैन उपस्थित थे। प्रशासन विभाग के उप आयुक्त श्री किसानराव पालांडे के करकमलों द्वारा दर्पणकार बालशास्त्री जांभेकर के चित्र पर पुष्पहार अर्पित किया गया। साथ ही उपस्थित पत्रकारों को गुलाब के फूल भेंट कर महानगरपालिका प्रशासन की ओर से पत्रकार दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं।

महाराष्ट्र के प्रथम इतिहास संशोधक, जनशिक्षा के अग्रदूत, ज्ञानेश्वरी के प्रथम प्रकाशक, महाराष्ट्र के प्रथम समाज सुधारक तथा मराठी के पहले समाचार पत्र लेखक एवं संपादक आचार्य दर्पणकार बालशास्त्री जांभेकर ने 6 जनवरी 1832 को मराठी भाषा का पहला समाचार पत्र 'दर्पण' प्रारंभ किया। आम जनता तक समाचार और विचार पहुंचाने के उद्देश्य से 'दर्पण' का प्रकाशन मराठी भाषा में किया गया। साथ ही उस समय के ब्रिटिश शासकों को स्थानीय नागरिकों की समस्याओं और भावनाओं से अवगत कराने के लिए मराठी स्तंभ के साथ-साथ वही सामग्री अंग्रेज़ी भाषा में भी प्रकाशित की जाती थी।

उस कालखंड में जब सामान्य जनता के बीच समाचार पत्र की अवधारणा व्यापक रूप से प्रचलित नहीं थी, तब 'दर्पण' के लेखक और संपादक पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और निस्वार्थ भाव से, बिना किसी लाभ की अपेक्षा के, पत्रकारिता का कार्य करते थे। 'दर्पण' के प्रकाशन दिवस को ही पत्रकार दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर आचार्य बालशास्त्री जांभेकर की प्रेरणादायी स्मृति को नमन करने के लिए बड़ी संख्या में पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

कांदिवली-बोरीवली सेक्शन पर छठी लाइन के कार्य के संबंध में पश्चिम रेलवे का मेजर ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा कांदिवली-बोरीवली सेक्शन के बीच छठी लाइन के निर्माण से संबंधित कार्य को पूरा करने के लिए 20/21 दिसंबर, 2025 की रात से 18 जनवरी, 2026 तक कुल 30 दिनों का ब्लॉक लिया गया है। इस ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उपर्युक्त कार्य के संबंध में कांदिवली में अप फास्ट लाइन पर पॉइंट संख्या 102 के समावेशन हेतु 07/08 जनवरी, 2026 की रात मेगा ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक अप फास्ट लाइन पर 00:00 बजे से 05:30 बजे तक तथा डाउन फास्ट लाइन पर 01:00 बजे से 04:30 बजे तक लिया जाएगा।

अतिरिक्त रूप से, 08/09.01.2026 को कांदीवली पर पॉइंट्स इनसर्शन और डिसमेंटल के कार्य के लिए अप फास्ट लाइन में 23:15 से 03:15 बजे तक और डाउन फास्ट लाइन में 01:00 से 04:30 बजे तक एक मेजर ब्लॉक लिया जाएगा।

उपर्युक्त ब्लॉकों तथा पाँचवीं लाइन के निलंबन के साथ गति प्रतिबंध के कारण

कुछ उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी, जबकि कुछ मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को रेगुलेट किया जाएगा।

शॉर्ट टर्मिनेट होने वाली ट्रेनें:

07 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19426 नंदुरबार-बोरीवली एक्सप्रेस वसई रोड पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

07 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19418 अहमदाबाद-बोरीवली एक्सप्रेस वसई रोड पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

शॉर्ट ओरिजिनेट होने वाली ट्रेनें:

07 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19417 बोरीवली-अहमदाबाद एक्सप्रेस वसई रोड से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी।

07 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19425 बोरीवली-नंदुरबार एक्सप्रेस वसई रोड से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी।

ब्लॉक के कारण प्रभावित ट्रेनों की विस्तृत सूची अनुलग्नक-I, II, III में दी गई है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि उपर्युक्त परिवर्तनों को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

नगर निगम चुनावः 'हराम का पैसा मिले तो इसे लो और शौचालय बनवाने में लगाओ..', लातूर में बोले एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी

लातूर। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को कहा कि अगर चुनाव के दौरान सियासी दलों की ओर से अनैतिक पैसा दिया जा रहा है, तो इसे स्वीकार करें और उसका इस्तेमाल शौचालय बनाने में करें। ओवैसी लातूर नगर निगम चुनाव के लिए आयोजित रैली को संबोधित कर रहे थे।

अपने संबोधन में ओवैसी ने केंद्र की नरेंद्र मोदी मोदी सरकार की नीति पर हमला किया और वक्फ (संशोधन) अधिनियम की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रतिद्वंदी दलों ने तभी मतदाताओं में पैसे बांटने शुरू किए, जब एआईएमआईएम ने चुनाव में हिस्सा लिया। अगर हम उम्मीदवार नहीं उतारते, तो पैसे नहीं बांटे जाते। पैसा लो और अगर यह अनैतिक या 'हराम' लगे, तो शौचालय बनाने में लगाओ।

ओवैसी ने मुसलमानों से मजबूत राजनीतिक नेतृत्व बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हर समुदाय के पास सियासी ताकत है, सिवाय अल्पसंख्यकों के। उन्होंने यह भी कहा कि दलित और मुसलमान बड़ी संख्या में गरीब हैं, फिर भी विकास उनके क्षेत्रों तक नहीं पहुंचा। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा राष्ट्रवाद की बातें करती है, लेकिन किसान मर रहे हैं, युवा बेरोजगारी का

सामना कर रहे है और वे केवल लव जिहाद की बातें करते हैं।

ओवैसी ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर चुप हैं, जो विमान में कहते हैं कि मोदी मेरे खुश करने के लिए फैसले लेते हैं। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार की 'माझी लड़की बहिन' योजना की भी आलोचना की और कहा कि इसके लाभार्थियों की संख्या लगातार घट रही है। उन्होंने पूछा कि सरकार ने 9.30 लाख करोड़ रुपये के कर्ज लिए, इसे कौन चुकाएगा। ओवैसी ने उप मुख्यमंत्री अजित पवार पर भी निशाना साधा और कहा कि जो व्यक्ति अपने चाचा (शरद पवार) का नहीं हुआ, वह लातूर का होगा?

वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर ओवैसी ने आरोप लगाया कि इस कानून का गलत इस्तेमाल मस्जिदों को बंद करने और सदियों पुराने दरगाहों के मालिकाना हक को चुनौती देने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा, संशोधित कानून के तहत गैर-मुसलमान इस मुस्लिम बोर्ड के सदस्य बन सकते हैं, लेकिन मुसलमान हिंदू ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य नहीं बन सकते। यह विधेयक पारित होने के समय अजित पवार क्या कर रहे थे?

हैदराबाद सांसद ने 2006 के मुंबई ट्रेन बम धमाके के एक दोषी की जेल में मौत की परिस्थितियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 2006 के विस्फोट में 185 लोग मरे, 11 मुसलमान गिरफ्तार हुए और उन्होंने 19 साल जेल में बिताए। लेकिन किसी ने नहीं बताया कि जेल में एक की मौत कैसे हुई।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने कहा कि पार्टी ने महाराष्ट्र और लातूर शहर में कई साल शासन किया, फिर भी बुनियादी सुविधाएं नहीं दी। उन्होंने कहा कि आज भी अल्पसंख्यकों के इलाके मानसून में जलभराव और पीने के पानी की कमी झेलते हैं। यह उपेक्षा और द्वेष को दर्शाता है। विलासराव देशमुख के दो कार्यकाल के बावजूद लातूर में कोई ठोस विकास नहीं हुआ।

ठाणे की जेल में बंद कैदी ने मचाया बवाल, पुलिसवालों से की मारपीट; सीसीटीवी तोड़े, केस दर्ज

ठाणे। महाराष्ट्र पुलिस के अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि ठाणे जिले की एक सब-जेल में बंद कैदी ने जेल में तैनात पुलिसवालों और पुलिस अधिकारी के साथ मारपीट की। इस दौरान कैदी ने अपनी गिरफ्तारी पर सवाल उठाते हुए तुरंत रिहाई की मांग की और जेल में लगे CCTV कैमरों को तोड़ दिया। उसने यह भी दावा किया कि उस पर कानूनी कार्रवाई का कोई असर नहीं पड़ने वाला क्योंकि वह पहले भी ऐसे मामलों का सामना कर चुका है।

फैयाज इस्लाम शेख के रूप में हुई कैदी की पहचान

आरोपी की पहचान फैयाज इस्लाम शेख (25) के रूप में हुई है। वहीं शांतिनगर पुलिस ने उसके खिलाफ इस मारपीट को लेकर ईं दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, यह घटना रविवार को भिवंडी सब-जेल परिसर में हुई, जहां वह पहले से ही एक पुराने केस के मामले में बंद था।

जेल के गेट पर लगे कैमरों को तोड़ा

पुलिस की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक कैदी रविवार को अचानक से चिल्लाने लगा और ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों को गालियां देने लगा। इस दौरान उसने वहां मौजूद पुलिसकर्मियों को देख लेने की धमकी दी। शांतिनगर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि शेख ने सब-जेल के गेट के पास लगे तीन CCTV कैमरे निकाल लिया और उन्हें फर्श पर पटक कर तोड़ दिया। इस दौरान उसने तीन लाइट बल्ब भी तोड़ दिया।

पुलिसवालों को दी देख लेने की धमकी

इस दौरान जब एक पुलिस अधिकारी ने उसे शांत करने और प्रोटोकॉल समझाने की कोशिश की, तो आरोपी ने उसका कॉलर पकड़ लिया और उसे धक्का दिया। उसने वहां मौजूद स्टाफ से कहा कि इंडियन पीनल कोड की धारा 353 (सरकारी कर्मचारी पर हमला) के तहत पहले लगे आरोप से उसे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।

कैदी के खिलाफ केस दर्ज

उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस संबंध में शेख के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं, 132, 352, 351(2) (आपराधिक धमकी) और 324(4) के तहत मामला दर्ज किया है।

ग्रंथालय आंदोलन को नया बल देने के लिए शासन का पूर्ण सहयोग- शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटील

राज्य ग्रंथालय परिषद की पहली बैठक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। ग्रंथालय आंदोलन को नया बल देने के लिए राज्य शासन हर संभव सहयोग करेगा, ऐसा प्रतिपादन उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटील ने किया।

मंत्रालय में राज्य ग्रंथालय परिषद की बैठक आयोजित की गई, जिसमें उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटील दूरदृश्य प्रणाली के माध्यम से उपस्थित रहे। इस अवसर पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव बी. वेणुगोपाल रेड्डी, सहायक धर्मादाय आयुक्त राम लिप्ते, स्कूल शिक्षा एवं क्रीड़ा विभाग के उपसचिव तुषार महाजन, उच्च शिक्षा विभाग के उपसचिव अमोल मुत्याल, ग्रंथालय संचालक अशोक गाडेकर, महाराष्ट्र राज्य ग्रंथालय संघ के अध्यक्ष गजानन कोटेवार, ग्रंथालय संघ अमरावती विभाग के अध्यक्ष प्रभाकर घुगे, मराठवाड़ा

विभाग के अध्यक्ष खंडेराव सरनाईक, पुणे विभाग के अध्यक्ष सोपान पवार, कोकण विभाग के अध्यक्ष दिलीप कोरे, डॉ. सिद्धी जगदाळे, डॉ. सुभाष चव्हाण, सुनील वायाळ तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटील ने कहा कि राज्य शासन के निर्णय के अनुसार 16 वर्षों के बाद राज्य ग्रंथालय परिषद का पुनर्गठन किया गया है। राज्य ग्रंथालय परिषद ग्रंथालय आंदोलन को अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से शासन को मार्गदर्शन देने वाली एक प्रमुख परिषद है। ग्रंथालय आंदोलन को मजबूत करने के लिए आवश्यक आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी तथा ग्रंथालय प्रबंधन के सर्वांगीण विकास के लिए ठोस निर्णय लिए जाएंगे।

बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में पठन-संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सीएसआर निधि अथवा राजाराम मोहनरॉय योजना के माध्यम से मोबाइल वाचन वैन खरीदी कर उन्हें गांवों, स्कूलों और दुर्गम क्षेत्रों में भेजकर वाचन गतिविधियां संचालित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। 'गांव वहां ग्रंथालय' उपक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए ग्राम विकास विभाग के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्णय लिया गया।

राज्य मध्यवर्ती ग्रंथालय तथा छह विभागीय ग्रंथालयों में घूमंतू ग्रंथालय सेवा को प्रायोगिक आधार पर शुरू करने, ई-लाइब्रेरी, ई-लाइब्रेरी यूनिक डेटाबेस, घूमंतू वाचनालय जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सार्वजनिक ग्रंथालयों के नियतकालिकों की तीन वर्षों के बाद जांच करने को भी मंजूरी दी गई। बैठक में ग्रंथालय संचालनालय के वर्ष 2008-09 से 2024-25 तक के वार्षिक प्रतिवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई।

फर्जी वेबसाइट, दुबई में मास्टरमाइंड और 200 करोड़ की ठगी, शातिर साइबर गैंग का खुलासा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई से सटे मीरारोड भाईंदर क्राइम ब्रांच पुलिस ने साइबर फ्रॉड के मामले में एक बड़े अंतराष्ट्रीय गिरोह को पकड़ा है. ये गैंग सोशल मीडिया, मेट्रीमोनियल साइट, डेटिंग ऐप से झांसे में फसाकर यह गिरोह लोगो को इन्वेस्टमेंट के लुभावने ऑफर देकर ठगती थी।

मामले में पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनका मास्टरमाइंड दुबई में बैठा है. सभी लोग काफी पढ़े लिखे है. इन लोगो ने जालसाजी का अपना नेटवर्क पूरे देश मे फैला रखा था।

लोगों को लगाया 200 करोड़ का चूना

मीरा- भाईंदर क्राइम ब्रांच पुलिस की गिरफ्त में आए ये साइबर ठग गैंग के कुछ सदस्य मामूली नहीं है. इन्होंने और इनके गिरोह ने देश भर में 500 से अधिक लोगों को 200 करोड़ रुपये से अधिक का चुना लगाया है।

शातिराना तरीके से करते थे ठगी

इन साइबर ठगों का लोगों को ठगने का तरीका भी शातिराना था. लोगों को ठगने के लिए इन्होंने कई फर्जी इन्वेस्टमेंट वेबसाइट बनाई हुई थी. इस वेबसाइट पर इन्होंने गोल्ड ट्रेडिंग और फॉरेक्स ट्रेडिंग इन्वेस्टमेंट के कई फ्रीज और लुभावने ऑफर दे रखे थे।

फेक वेबसाइट का खूब किया प्रमोशन

शेयर मार्केट, गोल्ड ट्रेडिंग, फोरेक्स ट्रेडिंग में अच्छे मुनाफे के दावे किए गए थे. लोग ज्यादा से ज्यादा इनके जाल में फंसे इसलिए फेक वेबसाइट्स के काफी प्रोमोशन किया गया था।

इंस्टाग्राम से लेकर फेसबुक तक जैसे प्लेटफॉर्म पर वेबसाइट को प्रमोट किया जाता था.

ऐसे बनाते थे लोगों को शिकार

इसके अलावा मेट्रीमोनियल साइट, डेटिंग साइट पर भी फेक प्रोफाइल बनाके लोगों को फंसाया जाता था और इन्वेस्टमेंट के लिए कहा जाता था और इस वेबसाइट पर एक बार पैसे इन्वेस्ट कर लिए तो कभी पैसे लौटकर नही आते. लूट के पैसों को क्रीप्टो में कनवर्ट करके देश के बाहर भेजा जाता।

लगातार बदल रहे थे लोकेशन

लोगों को फंसाने का यह गोरखधंधा काफी दिनों से चल रहा था. पुलिस की रडार में यह लोग ना आए इसलिए अपना लोकेशन लगातार बदलते रहते थे. हर राज्य में इन्होंने ठगी को अंजाम दिया, लेकिन 12 नवंबर के दिन इनकी किस्मत इनके साथ नहीं थी। यह लोग मीरारोड हाईवे पर स्तिथ एक होटल के कमरे से ठगी को अंजाम दे रहे थे, पुलिस ने सूचना के आधार पर होटल में रेड कर इन्हें रंगे हाथ पकड़ा. मौके से पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया. मौके से इनके पास से कई लैपटॉप, केई फोन , सिम काड्र्स, और कई दस्तावेज मिले।

पूछताछ में हुए हैरान करने वाले खुलासे इन 5 लोगों से जैसे पूछताछ और जांच आगे बढ़ी तो कई हैरान करने वाले खुलासे हुए। यह सभी पढ़े लिखे, सोसियल मीडया के अच्छे जानकार हैं. अब तक कि जांच में पुलिस ने इनके ठगी से जुड़े 11 राज्यो में 51 केसेस को सॉल्व किया है और फ्रॉड की कीमत करीब 58 करोड़ की है। पुलिस आगे की जांच कर रही है और पुलिस को अंदेशा है कि इन्होंने और 450 से 500 लोगो को ठगा होगा और ठगी का आंकड़ा 200 करोड़ के पार का है.

सम्पादकीय

बाजारवाद की गिरफ्त में इंसान, क्या हम सिर्फ एक 'उपभोक्ता' रह गए हैं?

वर्तमान समय बाजार का समय है। बाजार मनुष्य की सुविधाओं के लिए शताब्दियों से काम करता रहा है। वह मनुष्य के लिए एक जरूरी जरिया है, जिसमें वह अपनी जरूरत की चीजों का लेन-देन करता है। मगर आज यही बाजार किस तरह मनुष्य को अपनी ही इच्छाओं का गुलाम बनने को विवश करने लगा है, कोई भी व्यक्ति इस साधारण-सी प्रक्रिया पर गौर नहीं करता।

हर चीज में, स्थिति में व्यावसायिक अवसर तलाशने की बाजारी प्रवृत्ति ने बाजार को मानव समाज और उसकी संस्कृति के लिए एक ऐसे स्थायी खतरे में तब्दील कर दिया है, जिससे बचने के लिए हर संभव कदम उठाना आवश्यक हो गया है। बिना नियम, नैतिकता, भावना और संवेदना के बाजार मनुष्य को एक ऐसी कठपुतली के रूप में देखता है, जिसे जब चाहे अपने फायदे के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

अधिकतम लाभ कमाने के लक्ष्य के साथ बाजार ने मानवीय जीवन के हर पहलू और पड़ाव में हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया है। वह आपदा में अवसर देखने के आर्थिक दृष्टिकोण को मानते हुए ऐसी अंधी दौड़ में मनुष्य को धकेलता है, जिसका कोई अर्थ किसी के लिए नहीं होता। बाजार हमें आखिर में यही कहता है कि खुद को महसूस करो, खुद की सुंदरता को पहचानो, चीजों को उसके बाह्य दृश्य से नहीं, भावना से परखो।

बाजार यही बात सीधे-सीधे नहीं कहता, क्योंकि सीधे कहने से उसका काम नहीं चलता। वह मनुष्य को झूठे स्वप्न दिखाता है, उसमें हीनता पैदा करता है और भ्रमित करने वाली आकांक्षाएं उपजाता है। वह प्रचार के नारों के माध्यम से एक ऐसी हवा बनाता है, जिसमें व्यक्ति महसूस करता है कि वह जो है, वह खुद सही नहीं है। बाकी दूसरी चीजें अपनी जगह बिल्कुल ठीक हैं। ऐसी हवा पैदा करके ही मनुष्य को दौड़ाया जा सकता है।

बाजार 'जो हम हैं' से 'जो हमें होना चाहिए' की ओर लेकर जाता है। हमारे पास जो है, वह हमारे लिए पूरा नहीं है। दूसरे के पास जो है, वह उसके लिए पूरा नहीं है। इसलिए बाजार सबके लिए जरूरी हो जाता है। क्या आज के समय में हम इसे जरूरत तक सीमित कर सकते हैं?

अक्सर हम देखते हैं कि बाजार हमें सुरक्षा के नाम पर हमारी शिक्षा, नुस्खों, पुरातन तरीकों और जड़ों से अलग करता है और फिर उन्हीं चीजों को चलन बनाकर हम तक पहुंचाता है।

हमारी दिनचर्या में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहां लोग अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक तत्त्वों की स्वीकार्यता के लिए बाजार द्वारा चालित सामयिक फैशन की तरफ देखते हैं। इसी वजह से यह संभव होता है कि बाजार उन पुरानी चीजों को, जिन्हें मनुष्य समय के प्रवाह में कई-कई बार छोड़ चुका है, उन्हें भी फैशन के नाम पर चला देता है। अधिकतर लोगों के पास चीजों को देखने का कोई विशेष ढंग नहीं होता, वे दूसरों की हां में हां मिलाते हैं।

हमारे समाज की पूरी मानसिकता 'दूसरे क्या कहेंगे' पर टिकी हुई है, लेकिन जब सब एक जैसा ही हो, तो दूसरे के कहने के लिए कुछ बचता ही कहां है! हम अपने पैसे खर्च करके इसी तरह बाजार का गुणगान भी करते हैं। हम दूसरों की तरह दिखना चाहते हैं, उनकी तरह होना चाहते हैं, बाजार सभी को एक सम धरातल पर ले आता है, लेकिन ऐसा करके वह उसे व्यक्ति से उपभोक्ता में तब्दील करता है। उपभोक्ता की कोई निजी पसंद नहीं होती और उसका कोई निर्णय नहीं होता।

वह उन चीजों का उपभोग करता है, जो उसके लिए बनाई जाती है। इस तरह इस समानता की कीमत अपने व्यक्तित्व और विविधता को खोने के रूप में सभी चुकाते हैं, लेकिन तब भी कोई बेचैनी व्यक्ति में नहीं होती, क्योंकि इस बेचैनी को, सोचने की क्षमता को नष्ट करके ही ये सब चीजें जगह बनाती है। बाजार मनुष्य को उपभोक्ता बनाकर उसकी मूल पहचान को ही एक तरह से संकट में डाल देता है। मनुष्य की अस्मिता उसकी बुद्धि, विचारशीलता, नैतिकता और विवेक से बनती है। वह केवल अपने सही-गलत के बारे में ही नहीं पर्यावरण और अन्य प्राणियों के बारे में भी सोच सकता है और सोचता रहा है।

संस्कृति और समाज के साथ ही अन्य जैविक-अजैविक सत्ताओं के प्रति उसका दायित्व ही उसे मनुष्य बनाता है। मगर उपभोक्ता बनाकर बाजार मनुष्य के विवेक, विचार, व्यवहार और भावों को नियंत्रित करता है। वह मनुष्य के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक संबंधों में बदलाव करता है और मनुष्य को उसकी गरिमा से स्खलित कर एक ऐसे पुतले में बदल देता है, जिसे अपने स्वार्थ के अनुसार चलाना संभव होता है। व्यक्ति, व्यक्तिगत नहीं होकर भीड़ का हिस्सा मात्र बनकर रह जाता है। अकेले व्यक्ति को नियंत्रित करना जितना मुश्किल है, उसे भीड़ का हिस्सा बनाकर नियंत्रित करना उतना ही आसान है।

वेनेजुएला संकट : अमेरिकी निरंकुशता और वैश्विक कानूनों का हनन

वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था वास्तव में नियम-कानूनों से संचालित होती है या फिर ताकतवर राष्ट्रों की इच्छा ही वैश्विक न्याय का नया मानदंड बन चुकी है। निश्चित तौर पर वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला महाशक्तियों की निरंकुशता को दर्शा ही रहा है, यह वैश्विक कानूनों का अतिक्रमण भी है, जो अमेरिकी दादागिरी का त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण संकेत है, वह केवल लैटिन अमेरिका तक सीमित घटना नहीं है, बल्कि समूची दुनिया के लिये एक खतरनाक मिसाल है। अमेरिका ने जिस तरह से वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई करके वहां के राष्ट्रपति को गिरफ्तार किया है, उससे जुड़े कूटनीतिक, राजनीतिक और अन्तराष्ट्रीय कानून संबंधी सवाल जो खडे हुए ही हैं, पर अमेरिका को हस्तक्षेप का अवसर देने के लिये मादुरो की नीतियां भी चर्चा में आई हैं। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की वजहें हो सकती है, लेकिन ट्रंप को यह तो सुनिश्चित करना ही होगा कि यह राष्ट्र अस्थिरता का अड्डा न बन जाये।

अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं को वैश्विक शांति का मसीहा घोषित करते नहीं थकते, लेकिन उनकी नीतियां और कार्रवाइयाँ बार-बार युद्ध, हस्तक्षेप और सत्ता परिवर्तन की मानसिकता को उजागर करती हैं। यह वही अमेरिका है जो एक ओर लोकतंत्र, मानवाधिकार और संप्रभुता की दुहाई देता है, तो दूसरी ओर एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है

कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेजुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। इस तरह की दोहरी नीतियां केवल विडंबनापूर्ण नहीं, बल्कि वैश्विक शांति के लिये घातक है। वेनेजुएला संकट को केवल मादुरो बनाम गई और जनता त्रस्त हुई। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि किसी देश की आंतरिक विफलताओं को आधार बनाकर बाहरी सैन्य हस्तक्षेप को वैध ठहराना अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की आत्मा के विरुद्ध है। यदि यही मापदंड हो, तो दुनिया के अनेक देशों में बाहरी हस्तक्षेप का अंतहीन सिलसिला शुरू हो सकता है।

दरअसल, वैश्विक कूटनीति के जानकारों का मानना है कि वेनेजुएला के मामले में अमेरिका की असली चिंता न लोकतंत्र है और न ही मानवाधिकार, बल्कि वहां के विशाल तेल भंडार हैं। वेनेजुएला विश्व के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर अमेरिका के टकराव के रूप में देखना वास्तविकता को सरलीकृत करना होगा। इसमें संदेह नहीं कि मादुरो सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन, दमनकारी नीतियों, चुनावी अनियमितताओं और मानवाधिकार हनन जैसे गंभीर आरोप रहे हैं। लाखों वेनेजुएलावासी देश छोड़ने को मजबूर हुए, अर्थव्यवस्था चरमरा बैठा देश है और ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण की अमेरिकी भूख कोई नई बात नहीं है। इराक, लीबिया और अफगानिस्तान इसके उदाहरण हैं, जहां 'लोकतंत्र स्थापना' के नाम पर हस्तक्षेप हुआ, लेकिन परिणामस्वरूप अस्थिरता, गृहयुद्ध और मानवीय संकट ही पैदा हुआ। ट्रंप का यह बयान कि मादुरो को पकड़ने के अभियान का खर्च वेनेजुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, इस पूरे घटनाक्रम की मंशा को बेनकाब करता है। यह कथन स्पष्ट करता है कि यह कार्रवाई न्याय या नैतिकता से नहीं, बल्कि संसाधनों पर नियंत्रण की साम्राज्यवादी सोच से प्रेरित है। किसी देश के प्राकृतिक संसाधनों पर इस तरह दावा करना उपनिवेशवादी मानसिकता का आधुनिक संस्करण है।

इस अमेरिकी कार्रवाई के भू-राजनीतिक परिणाम भी गहरे और दूरगामी होंगे। रूस और चीन ने इसे नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये गंभीर खतरा बताया है। मादुरो के आलोचक रहे कुछ अमेरिकी सहयोगी देश भी अब खुलकर चिंता जता रहे हैं। यह संकट वैश्विक ध्रुवीकरण को और तेज कर सकता है। विशेष रूप से चीन को इस घटनाक्रम से अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं, विशेषकर ताइवान पर अमेरिकी आलोचना को कमजोर करने का अवसर मिल सकता है। यदि अमेरिका स्वयं संप्रभुता का उल्लंघन करता है, तो वह दूसरों को किस नैतिक आधार पर संयम की सलाह देगा? वेनेजुएला संकट का एक और चिंताजनक पहलू वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला प्रभाव है। तेल उत्पादन और आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनिश्चितता का सीधा असर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों पर पड़ता है। तेल कीमतों में उछाल पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर सकता है, विशेषकर विकासशील देशों को। भारत जैसे देशों के लिये यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है, जहां ऊर्जा आयात पर निर्भरता अधिक है। यही कारण है कि भारत ने इस घटनाक्रम पर संतुलित रुख अपनाते हुए चिंता व्यक्त की है और दोनों पक्षों से संवाद व कूटनीतिक समाधान की वकालत की है।

भारत का यह दृष्टिकोण न केवल व्यावहारिक है, बल्कि नैतिक रूप से भी अधिक जिम्मेदार है। युद्ध और हस्तक्षेप किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकते। इतिहास गवाह है कि इराक और अफगानिस्तान में सैन्य हस्तक्षेप के बाद अमेरिका को अंततः अपमानजनक विदाई का सामना करना पड़ा, लेकिन वे देश आज भी स्थिरता और शांति से कोसों दूर हैं। युद्ध शुरू करना भले आसान हो, लेकिन शांति और सुशासन स्थापित करना अत्यंत कठिन होता है-यह सत्य अमेरिका बार-बार भूलता रहा है। ट्रंप प्रशासन की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह स्वयं को शांति का अग्रदूत बताता है, लेकिन उसकी हर बड़ी विदेश नीति पहल टकराव और दबाव की राजनीति पर आधारित दिखती है। यह दोहरी मानसिकता न केवल अमेरिका की विश्वसनीयता को कमजोर करती है, बल्कि संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की प्रासंगिकता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि शक्तिशाली राष्ट्र अपने हितों के अनुसार नियम तोड़ने लगें, तो वैश्विक व्यवस्था अराजकता की ओर बढ़ेगी।

वेनेजुएला का संकट पूरी दुनिया के लिये एक चेतावनी है। यह बताता है कि आज भी शक्ति-राजनीति मानवता, शांति और कानून से ऊपर रखी जा रही है। जरूरत इस बात की है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय एकजुट होकर इस तरह के एकतरफा हस्तक्षेपों का विरोध करे और संवाद, कूटनीति तथा बहुपक्षीय समाधान को प्राथमिकता दे। किसी भी देश में सत्ता परिवर्तन का निर्णय वहां की जनता को करना चाहिए, न कि विदेशी सेनाओं को। अंततः, अमेरिका को यह समझना होगा कि किसी 'निरंकुश शासक' को हटाना शायद सैन्य शक्ति से संभव हो जाए, लेकिन किसी देश को स्थायी शांति, स्थिरता और समृद्धि देना केवल टैंकों और बमों से नहीं हो सकता। इसके लिये धैर्य, संवेदनशीलता और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रति सम्मान आवश्यक है। यदि अमेरिका वास्तव में वैश्विक शांति का पक्षधर है, तो उसे अपनी दोहरी नीति त्यागनी होगी। अन्यथा, वेनेजुएला जैसी घटनाएँ बार-बार दोहराई जाएंगी और दुनिया एक और अस्थिर, असुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ती जाएगी।

आखिर मादुरो पर क्यों की गई इतनी सख्त कार्रवाई? खनिज और तेल से भी ज्यादा खास चीजों पर ट्रंप की नजर

वेनेजुएला पर अमेरिका का हमला और वहां के तात्कालिक राष्ट्रपति निकोलस मादुरो एवं उनकी पत्नी को हिरासत में लेने के मामले में दुनिया एक बार फिर से बंट गई लगती है। कई देशों ने वेनेजुएला पर अमेरिका की इस कार्रवाई का स्पष्ट विरोध किया है। मगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों का प्रचार करने की रणनीति भी पीछे नहीं है। समर्थन और विरोध से इतर यह सवाल अनुत्तरित रहेगा कि आखिर मादुरो पर ही यह कार्रवाई क्यों की गई! यदि नशीले पदार्थों की तस्करी ही उनका गुनाह-ए-अजीम है, तो इसको लेकर तो चीन पर भी सवाल उठते रहे हैं।

देखा जाए तो वेनेजुएला के विपुल खनिज और तेल पर अमेरिकी कंपनियों का नियंत्रण, ट्रंप की नीयत को पूरी तरह से उजागर नहीं करता है। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव का यह सिलसिला पुराना है। वेनेजुएला में वर्ष 1999 में ह्यूगो शावेज के सत्ता संभालने के बाद से ही दोनों देशों के बीच तनाव की शुरुआत हो गई थी। शावेज खुद को समाजवादी और अमेरिकी साम्राज्यवाद का विरोधी बताते थे। उन्होंने अमेरिका को आंख दिखाते हुए क्यूबा और ईरान जैसे कई अमेरिकी विरोधी देशों से दोस्ती बढ़ाई। कहानियां यह भी गढ़ी जा रही हैं कि अमेरिका के हमले का मकसद उस 'स्वघोषित समाजवादी क्रांति' को खत्म करना है, जिसे मादुरो के राजनीतिक गुरु और पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज ने 1999 में शुरू किया था।

बात फिर नशीले पदार्थों की तस्करी पर आती है कि आखिर वह ऐसा कौन सा पदार्थ था, जिसकी वजह से अमेरिका की नींद हराम हो गई थी? यह गांजा, अफीम, चरस-हशीश, या हेरोइन नहीं, बल्कि सबसे घातक नशीला पदार्थ 'फेंटानिल' है। कहा जा रहा है कि इस पदार्थ की तस्करी ने अमेरिका में बड़ी संख्या में लोगों की जान ले ली। इसने ट्रंप की आभासी मुद्रा क्रिप्टोकरंसी को तबाह कर दिया। कायदे से बहस फेंटानिल के मुख्य आपूर्तिकर्ता चीन पर और ट्रंप के क्रिप्टो गोरखधंधे पर होनी चाहिए थी।

एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 1999 से अब तक अमेरिका में लगभग दस लाख लोगों की इस नशीले पदार्थ की वजह से मौत हो चुकी है। वर्ष 2020 में नशीले पदार्थों से हुई मौत के कुल मामलों में से 82 फीसद फेंटानिल से जुड़े थे। 2022 में यह संख्या 107, 941 पर पहुंच गई। 2025 तक अमेरिका में नशीले पदार्थों से होने वाली मौत की दर दोगुनी से ज्यादा हो गई, इसका मुख्य कारण फेंटानिल की बढ़ती तस्करी को माना गया है। दरअसल, फेंटानिल प्रयोगशाला में बनने वाला एक सिंथेटिक नशीला पदार्थ है, जो मार्फिन से 80-100 गुना और हेरोइन से पचास गुना ज्यादा घातक है। वैसे इसका नियंत्रित इस्तेमाल आमतौर पर अस्पतालों में दर्द कम करने के लिए किया जाता है।

इसकी खरीद-फरोख्त के लिए 'डार्कनेट' का सबसे अधिक इस्तेमाल होता है। डार्कनेट बाजार वेब पर एक वाणिज्यिक वेबसाइट है, जिसके जरिए नशीले पदार्थ, हथियार, चोरी किया हुआ डेटा और नकली दस्तावेज का अवैध लेन-देन होता है। उदाहरण के लिए, 'सिल्क रोड', जो वर्ष 2011 में बना, वह एक डार्कनेट बाजार था। यह बिटकाइन वेब शुरुआती उपयोगकर्ताओं में से कुछ का ठिकाना था। ज्यादातर डार्कनेट बाजार अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजंसियों से बचने के लिए अपने मंच पर फेंटानिल जैसे नशीले पदार्थों पर साफ तौर पर प्रतिबंध का संकेत देते हैं। बावजूद इसके, कई लोग फेंटानिल पर दिखाई जाने वाली पाबंदी से बचने का रास्ता निकाल लेते हैं।

वर्ष 2020 की 'ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन' (डीइए) की रपट में चीन को फेंटानिल का शीर्ष उत्पादक देश बताया गया था। इस संस्था ने फेंटानिल उत्पादन की एक श्रृंखला का पता लगाया है, जिसमें खतरनाक रसायनों को अवैध रूप से लैटिन अमेरिकी देशों में भेजा जाता है, जहां उनका इस्तेमाल फेंटानिल बनाने के लिए किया जाता है। इसे बाद में बेचने के लिए अमेरिका ले जाया जाता है। अमेरिका के कानून प्रवर्तन विभाग के अधिकारियों का मानना है कि इस नशीले पदार्थ से जुड़े लेन-देन में शामिल अधिकांश लोग आभासी मुद्रा क्रिप्टोकरंसी का इस्तेमाल करते हैं। कई अमेरिकियों को लगता है कि प्रवासी लोग ही उनके देश में फेंटानिल ला रहे हैं।

मगर आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि फेंटानिल की तस्करी और अवैध बिक्री में प्रवासी लोग केवल पच्चीस फीसद और अमेरिकी नागरिक पचहत्तर फीसद शामिल हैं। अमेरिका का प्रशासन अपने ही घर में इसे रोक पाने में नाकाम रहा। विश्लेषकों के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप के रहते हुए फेंटानिल की तस्करी के तरीकों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। इसका बड़े पैमाने पर विश्लेषण करने वेब लिए 'चैनालिसिस' ने चीन में सक्रिय फेंटानिल के घटक रसायनों के विक्रेताओं से जुड़े क्रिप्टोकरंसी पते की पहचान की। इनके पास वर्ष 2015 से अब तक 98 मिलियन डालर से ज्यादा की क्रिप्टोकरंसी का पता चला है। चैनालिसिस एक अमेरिकी ब्लाकचेन विश्लेषण फर्म है, जिसका मुख्यालय न्यूयार्क सिटी में है।

सबको इस बात की खलिश है कि भारत ने वेनेजुएला पर अमेरिका के हमले की कार्रवाई को लेकर संतुलित बयान जारी क्यों किया। भारत ने रविवार को राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़े जाने पर गहरी चिंता जताई और सभी पक्षों से क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बातचीत के जरिए मुद्दों को सुलझाने की अपील की। मगर, हम एक घटना का विश्लेषण गहराई से करेंगे, तो बात समझ में आ जाएगी कि भारत के इस बयान के क्या मायने हैं। 18 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास की वेबसाइट पर एक सूचना जारी की गई कि 'फेंटानिल प्रीकर्सर की तस्करी में शामिल होने के कारण भारतीय कंपनी के अधिकारियों और उनके परिवार के सदस्यों के अमेरिकी वीजा रद्द।' दूतावास ने स्पष्ट किया कि ये व्यक्ति अमेरिका की यात्रा के लिए अयोग्य हो सकते हैं। साथ ही कहा कि दूतावास उन कंपनियों से जुड़े अधिकारियों पर भी कड़ी नजर रख रहा है, जिनके बारे में पता चला है कि उन्होंने फेंटानिल प्रीकर्सर की तस्करी की है। फेंटानिल के प्रवाह को रोकना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। यह दिलचस्प है कि भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस कार्रवाई पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। डोनाल्ड ट्रंप दुनिया को बता रहे हैं कि नशीले पदार्थों की तस्करी ही मादुरो का मुख्य गुनाह है, लेकिन वे यह नहीं बता पा रहे कि इस अवैध धंधे से उनकी कंपनी की क्रिप्टोकरंसी का कितना नुकसान हुआ है। एक हालिया रपट के अनुसार, वर्ष 2025 के आखिर में क्रिप्टो बाजार में गिरावट के कारण ट्रंप की कंपनी की कुल संपत्ति का मूल्य एक बिलियन डालर से ज्यादा कम हो गया।

ब्लूमबर्ग के अनुसार, इस परिवार की संपत्ति का कुल मूल्य लगभग 7.7 बिलियन डालर से घटकर 6.7 बिलियन डालर रह गया और यह डिजिटल संपत्ति में गिरावट के कारण हुआ है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि नशीले पदार्थ फेंटानिल के उत्पादन से जुड़े क्रिप्टोकरंसी-आधारित लेन-देन ने 'ट्रंप मेमेकाइन' को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। ट्रंप अपने इस दर्द को सार्वजनिक नहीं कर सकते, लेकिन उन्होंने वेनेजुएला पर कार्रवाई करके एक तीर के साथ कई निशाने साधे हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता पर सवाल

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अपदस्थ करके हथकड़ियों में उनके देश से उठाकर न्यूयॉर्क में लाने की घटना को लेकर भारत की संतुलित प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। अमेरिका से व्यापारिक रिश्तों को लेकर जारी बातचीत के बीच अमेरिकी कार्रवाई की कड़ी आलोचना राष्ट्रीय कूटनीतिक लिहाज से सही नहीं कही जाएगी। वैसे भी ट्रंप जैसे राष्ट्राध्यक्ष के दौर में तो कड़ी प्रतिक्रिया अपने राष्ट्रीय हितों को संकट में डालने जैसा ही माना जाएगा। लेकिन जिस तरह भारत के लोगों ने इस कार्रवाई के विरोध में प्रतिक्रिया जताई है, उसे भी भारतीय लोक की स्वाभाविक प्रक्रिया का ही हिस्सा माना जाना चाहिए। भारतीय लोक स्वभाव से ही लोकतांत्रिक है और उसे लोकतांत्रिक सत्ताओं का सैनिक कार्रवाई के जरिए उखाड़ना पसंद नहीं रहा है। भारतीय लोक का मानस कमजोर के पक्ष में खड़े होने का रहा है। इसलिए अधिसंख्य भारतीय प्रतिक्रियाएं निकोलस मादुरो के पक्ष और अमेरिका के विरोध में है।

अमेरिकी कार्रवाई ने दो तरह प्रस्थापनाएं की हैं। पहली यह कि ताकतवर के लिए कुछ भी करना संभव है। वह उसे नियमों और कानूनों की परिभाषा में बांध सकता है। दुनिया लाख चिल्लाती रहे कि किसी राष्ट्राध्यक्ष की सत्ता को उखाड़ फेंकना और उसे गिरफ्तार करके अपने कानूनों के दायरे में लाना अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है, लेकिन इसका अमेरिका की सेहत पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ने जा रहा। अमेरिका ने एक तरह से इतिहास को ही दोहराया है। अमेरिका अपने हितों के खिलाफ जिस देश को सिर उठाते देखता है, उसके खिलाफ उसे सैनिक, कूटनीतिक और आर्थिक कार्रवाई करने में देर नहीं लगती। इस मौके पर जार्ज बुश सीनियर के दौर को याद किया जाना चाहिए। कुवैत में इराकी सेना की कार्रवाई के खिलाफ उन्होंने खाड़ी युद्ध छेड़ दिया था। बेशक इस युद्ध की आग में झुलसने के चलते वे सत्ता में दोबारा वापसी नहीं कर पाए। लेकिन उनके अधूरे कार्य को उनके बेटे जार्ज बुश जूनियर ने पूरा किया। बेशक इसके लिए मुस्लिम चरमपंथियों और ओसामा बिन लादेन के कुख्यात संगठन अलकायदा ने मौका मुहैया कराया।

इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन की सत्ता को तहस-नहस करने के लिए तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश जूनियर और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने एक बहाना बनाया। संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से इराक भेजे गए वैज्ञानिकों और पर्यवेक्षकों ने कथित रूप से रिपोर्ट दी कि इराक के पास व्यापक जनसंहार के रासायनिक हथियार हैं। अमेरिका की नजर में सद्दाम तानाशाह थे,इस लिहाज से ये हथियार मानवता के लिए घातक हो सकते थे।फिर क्या था,संयुक्त राष्ट्रसंघ के प्रस्ताव की आड़ में अमेरिका और ब्रिटेन ने इराकी शासन के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। अमेरिका की अगुआई वाली सेनाओं के हमले में इराक तहस-नहस हो गया। सद्दाम गिरफ्तार कर लिए गए, उनके खिलाफ मुकदमा चलाया गया और उन्हें व्यापक नरसंहार का दोषी ठहराते हुए फांसी पर लटका दिया गया। बाद के दिनों में बीबीसी ने रिपोर्ट दी कि जिन घातक रासायनिक हथियारों को खत्म करने के नाम पर इराक पर मित्र देशों की सेनाओं ने हमला किया, असलियत में ऐसे हथियार तो इराक के पास थे ही नहीं। बीबीसी को यह खबर लीक करने का शक हथियार जांचने पहुंचे अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य रहे ब्रिटिश वैज्ञानिक विलियम केली पर किया गया। बीबीसी के कई अधिकारियों और पत्रकारों को इस खबर के लिए अपनी नौकरी गवांनी पड़ी। एक सुबह टहलने गए विलियम केली भी रास्ते में मृत पाए गए। इराक में अमेरिकी तर्ज का लोकतंत्र स्थापित तो हो गया है,लेकिन क्या वहां शांति आ पाई है? कुछ ऐसा ही यक्ष प्रश्न वेनेजुएला को लेकर

उभरने वाला है। सवाल यह है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप की कार्रवाई के बाद वेनेजुएला में जो सत्ता स्थापित हुई है, क्या वह सही मायने में लोकतंत्र स्थापित करके वहां नशा के कारोबार को रोक पाएगी। नशे के कारोबार की बात इसलिए की जा रही है, क्योंकि ट्रंप ने मादुरो पर बड़ा आरोप लगाया है कि वे नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रहे थे, जिससे अमेरिकी हितों को चोट पहुंच रही थी। हालांकि उनके इस आरोप को अमेरिका की ही उपराष्ट्रपति रहीं कमला हैरिस ने नकारा है। उनका कहना है कि ट्रंप की कार्रवाई की मूल वजह के पीछे तेल का खेल है।

वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़ा कच्चे तेल का भंडार है। अनुमान है कि यह भंडार करीब 303 अरब बैरल है। लेकिन कच्चे तेल के उत्पादन में वह बहुत पीछे है। वैश्विक स्तर पर तेल उत्पादकों की जो सूची है, उसमें वेनेजुएला 21वें स्थान पर है। इसकी बड़ी वजह यह है कि उत्पादन के लिए वेनेजुएला के पास बुनियादी ढांचे की बेहद कमी है। इसके साथ ही मादुरो की सत्ता के चलते यहां लगातार अमेरिकी प्रतिबंध लगे हैं। इसकी वजह से वह उत्पादन नहीं कर पा रहा है। अमेरिकी प्रतिबंध के पहले तक भारत वेनेजुएला का दूसरे नंबर का तेल आयातक था। भारत की अमेरिकी कार्रवाई को लेकर संतुलित प्रतिक्रिया की एक बड़ी वजह भारतीय तेल कंपनियों का फंसा यहां पैसा है। कच्चे तेल के उत्पादन के लिए भारतीय तेल कंपनियों ने यहां निवेश कर रखा है। भारत के करीब नौ हजार करोड़ रूपए यहां फंसे हैं। उम्मीद की जा रही है कि बदली परिस्थितियों में भारत को यह रकम मिल सकती है या फिर तेल का आयात बढ़ सकता है। बहरहाल अमेरिका में भी एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जिसका मानना है कि मादुरो की गिरफ्तारी के पीछे ट्रंप की कोशिश अपने परिवार के नियंत्रण वाली तेल कंपनियों को फायदा पहुंचाना है।

अमेरिकी कार्रवाई ने एक सवाल यह भी उठाया है कि क्या संयुक्त राष्ट्रसंघ की अब भी जरूरत है। इस कार्रवाई के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता एक बार फिर सवालों के घेरे में है। संयुक्त राष्ट्रसंघ को ट्रंप के अमेरिका ने एक बार फिर अंगूठा दिखाया है। अमेरिकी कार्रवाई के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ और उसके महासचिव की एक मात्र भूमिका बयान देने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने की रस्म तक सिमटी नजर आ रही है। अब दुनिया को सोचना होगा कि क्या ताकतवर ही दुनिया को चलाएंगे। क्या दुनिया में कमजोर राष्ट्रों, उनकी संप्रभुता और उनकी स्वतंत्रता का महत्व नहीं रहेगा। दिलचस्प यह है कि अमेरिका खुद को लोकतंत्र का सबसे बड़ा पहरूआ मानता है। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने लोकतंत्र की वह दुहाई देता रहता है। बेशक अंदरूनी स्तर पर उसके यहां लोकतंत्र मजबूत हो, लेकिन उसका मजबूत लोकतंत्र दुनिया में तानाशाही का माध्यम भी है, इसे भी दुनिया को देखना और समझना होगा।

अमेरिकी कार्रवाई ने एक बार परमाणु अस्त्रों की प्रासंगिकता को भी साबित किया है। सवाल यह है कि यदि वेनेजुएला भी छोटा ही सही,परमाणु ताकत होता तो क्या अमेरिकी सेना वहां ऐसी कार्रवाई कर पाती? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। परमाणु निरस्त्रीकरण के समर्थकों को इस विषय में सोचना होगा। अमेरिकी कार्रवाई से स्पष्ट है कि आज परमाणु हथियार संबंधित राष्ट्र की शांति और सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। यूक्रेन इसका उदाहरण है। अगर उसके पास भी परमाणु ताकत होती तो रूस शायद ही उसके खिलाफ कार्रवाई करने की हिमाकत दिखा पाता?

अमेरिकी कार्रवाई के बाद दुनिया का एक वर्ग मानने लगा है कि ट्रंप के अगले निशाने पर उत्तरी कोरिया के तानाशाह किम जोंग हैं। लेकिन यह सोचने वालों को नहीं भूलना चाहिए कि उत्तर कोरिया परमाणु हथियार से संपन्न है। उस पर हाथ डालने से अमेरिकी हाथ जलने का अंदेशा ज्यादा है। वैसे भी अमेरिका ने जहां भी कार्रवाई की है, इतिहास गवाह है कि ज्यादातर जगहों पर उसे देर से ही सही, मुंह की खानी पड़ी है। अफगानिस्तान, वियतनाम आदि इसके उदाहरण हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आई0जी0आर0एस0 की बैठक कलेक्टेड्ट सभागार में हुई सम्पन्न

शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें, गलत स्पेशल क्लोज़ पर होगी कार्यवाही-डीएम

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में आईजीआरएस मुख्यमंत्री संदर्भ, जिलाधिकारी संदर्भ, तहसील दिवस संदर्भ सहित अन्य संदर्भों के सापेक्ष निस्तारित एवं लम्बित शिकायतों/प्रकरणों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुयी।

बैठक में डिफाल्टर श्रेणी व असंतुष्ट फीडबैक से सम्बन्धित अधिकारियों को जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए अपेक्षित सुधार का निर्देश दिया। आईजीआरएस समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहां कि जिन विभागों में शत प्रतिशत असंतुष्ट फीडबैक है उन विभागों के अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जनसंवाद दिवस पर शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर उनकी समस्याओं का निस्तारण गुणवत्ता पूर्वक कराए। उन्होंने कहा कि ऐसे ही पूरे मनोयोग से कार्य करें, जिससे जनपद की रैंक अच्छी बनी रहे। निर्देश दिया कि शिकायतों को अधिकारी कटेगरी वाईज कर सही ढंग व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये।

जिलाधिकारी ने बताया कि अधिकांश शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर शिकायतकर्ता को वार्ता कर संतुष्ट करने के उपरान्त ही आख्या अपलोड की जाए। केवल वे ही शिकायत स्पेशल क्लोज़ की जाए, जो पोर्टल पर उपलब्ध स्पेशल क्लोज़ की श्रेणी में आती हो। गलत फ्लैग लगाकर स्पेशल क्लोज़ करने पर कार्यवाही की जाएगी। प्रायः यह देखा जा रहा है कि जनपद स्तर से एक ही शिकायत को कई बार फीड किया जा रहा है एवं एक ही मोबाईल नंबर से अलग अलग शिकायतें दर्ज की जा रही हैं। विश्लेषण में यह भी पाया गया है की मोबाईल नंबर शिकायतकर्ता का न होकर किसी कर्मचारी या अन्य व्यक्ति का है। जिस अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध शिकायत है उसी से जांच कदापि न कराई जाए। यह भी समीक्षा कर लें की उनके यहाँ किस क्षेत्र या

किस विभाग शिकायत श्रेणी मे सर्वाधिक शिकायतें आ रही हैं और उसका निराकरण कराएं। उदाहरणार्थ कतिपय जनपदों में प्रमाणपत्र बनाने के संबंध में अधिक शिकायत दर्ज हो रही हैं। पूर्व में दिए गए निर्देश के क्रम में जनपद स्तर से निस्तारण की गुणवत्ता का क्रॉस वेरीफिकेशन करने के उपरान्त ही आख्या अपलोड या स्पेशल क्लोज की कार्यवाही की जाए।

जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निरस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी फरियादियों/शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि के प्रति बेहद गम्भीर है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करके रिपोर्ट को पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के डिफाल्टर होने व निस्तारित शिकायतों की खराब गुणवत्ता पाये जाने पर कुछ विभागीय अधिकारियों को इसमें सुधार लाने की कड़ी चेतावनी दिया, कहा कि ऐसी स्थिति नहीं आनी चाहिये कि निस्तारण की गुणवत्ता खराब होने के कारण उच्च स्तर से शिकायतें पुनः वापस आ जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण प्रक्रिया के दौरान शिकायतकर्ता का पक्ष भी अवश्य सुना जाए और सदंर्भो के निस्तारण के परिणाम से भी शिकायतकर्ता को अवगत कराया जाए। क्योंकि शिकायतकर्ता की संतृष्टि ही संदर्भो का निस्तारण का मूल लक्ष्य है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आईजीआरएस का पैरामीटर बदल गया है असंतुष्ट फीडबैक वाले प्रकरणों को सही ढंग से निस्तारण कराए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल, अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, सीएमओ डॉ संतोष कुमार चक, समस्त उप जिलाधिकारी, एआरटीओ रामसिंह, डीडीओ ज्ञानप्रकाश, जिला पंचायत राज अधिकारी संजय मिश्रा, समस्त उप जिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी, ईडीएम आशुतोष श्रीवास्तव एवं संबंधित जनपदीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मतदान केन्द्रों के निर्धारण को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक

भदोही में पंचायत चुनाव की तैयारी तेज, मतदान केन्द्रों की संवेदनशीलता तय करने के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद भदोही में मतदान केन्द्रों /मतदान स्थलों का निर्धारण तथा मतदान केन्दों की संवेदनशीलता तय करने हेतु जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में समस्त उप जिलाधिकारी समस्त तहसीलदार, समस्त क्षेत्राधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं समस्त थानाध्यक्षों की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार द्वारा निर्देशित किया गया है कि 900 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान स्थल पर मतदाताओं को अन्य मतदान स्थलों में सम्बद्ध करने की कार्यवाही कर ली जाए। ऐसे मतदान केन्द्र जहां 05 से अधिक मतदान स्थल है का सत्यापन कर लें। यदि विद्यालयों का विलय होने के कारण नाम परिवर्तित हो गया हो तो उसकी सूचना उपलब्ध करा ली जाए। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया है पंचायत सामान्य निर्वाचन अत्यंत संवेदनशील होते है सभी मतदान स्थलों का भौतिक सत्यापन कराते हुए मतदान स्थलों पर आवश्यक सुविधाएं जैसे बिजली, हैण्डपम्प एवं पानी इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित करा ली जाए। सभी मतदान केन्दों की संवेदनशीलता का निर्धारण पिछले पंचायत चुनाव को देखते हुए करा ली जाए। जनपद में कुल 546 ग्राम पंचायते स्थापित है।

बैठक में अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल उपस्थित रहे। अन्त में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया है कि निर्वाचन कार्य की महत्ता को देखते हुए निर्धारित समय के अन्तर्गत कार्यवाही सुनिश्चित करें।

मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शासन की मंशा के अनुरूप नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलंबन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से मिशन शक्ति फेज-5.0 के अंतर्गत मंगलवार 06 जनवरी 2026 को जनपद के समस्त थानों की एंटी-रोमियो टीमों द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान महिलाओं, बालिकाओं एवं छात्राओं को महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर उन्हें निर्भीक होकर सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। एंटी-रोमियो टीमों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को बताया कि किसी भी विषम या आपात स्थिति में वे तत्काल 1090, यूपी-112, 1076 सहित अन्य महिला हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर पुलिस की सहायता प्राप्त कर सकती हैं। टीमों ने भरोसा दिलाया कि पुलिस उनकी सुरक्षा के लिए हर समय तत्पर है। साथ ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने, बिना भय के शिक्षा ग्रहण करने एवं अपने कार्यक्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। जागरूकता अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थलों के आसपास बेवजह घूम रहे युवकों व शोहदों से पूछताछ कर उन्हें चेतावनी दी गई तथा आवश्यकतानुसार नियमानुसार विधिक कार्रवाई भी की गई। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए अभियान निरंतर जारी रहेगा।

छात्रावास में चल रहे मरम्मत कार्य में अनियमितता का आरोप

छात्रों ने प्राचार्य को सौंपा पत्रक

मंत्र भारत संवाददाता

ज्ञानपुर। काशी नरेश राजकीय महाविद्यालय ज्ञानपुर के छात्रावास में चल रहे मरम्मत कार्य में अनियमितता एवं निर्माण मानकों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए छात्र आक्रोशित हो उठे हैं। छात्रों का आरोप है कि मरम्मत कार्य में घटिया एवं दोयम दर्जे की ईंटों के साथ-साथ खराब गुणवत्ता की बालू का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे मजबूती पर सवाल खड़े हो गए हैं। छात्रों का कहना है कि इस तरह की लापरवाही से भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता, जो सीधे तौर पर छात्रों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है।

इसी को लेकर आक्रोशित छात्रों ने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रमेश चन्द्र यादव को एक ज्ञापन/पत्रक सौंपते हुए मरम्मत कार्य की निष्पक्ष एवं तकनीकी जांच कराने तथा जिम्मेदार ठेकेदार एवं संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। छात्रों ने यह भी मांग की कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता युक्त सामग्री का प्रयोग सुनिश्चित कराया जाए और कार्य की नियमित निगरानी की जाए। छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही मरम्मत कार्य की गुणवत्ता में सुधार नहीं किया गया तो वे चरणबद्ध आंदोलन करने को विवश होंगे। इस अवसर पर स्वतंत्र बिन्द, विमिलेश, धीरज कुमार दूबे, जयप्रकाश पाल, अखंड पटेल, सूरज सहित बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

पंख पोर्टल से बच्चों को मिलेगा सही कैरियर का मार्गदर्शन : डीएम शैलेष कुमार

मंत्र भारत संवाददाता

ज्ञानपुर। आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में शिक्षा के बाद रोजगार प्राप्त करना हर छात्र की प्राथमिक आकांक्षा बन चुकी है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को उनकी अभिरुचि के अनुसार कैरियर चयन में मार्गदर्शन देने के लिए पंख पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से माध्यमिक शिक्षा के उपरांत छात्र कौन-सी स्ट्रीम चुनें और किस क्षेत्र में उसके बेहतर अवसर उपलब्ध हैं, इसकी विस्तृत जानकारी मिलती है। इसी क्रम में जनपद स्तरीय कैरियर गाइडेंस मेला 2025 का आयोजन मंगलवार को विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज ज्ञानपुर के प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि पंख पोर्टल छात्रों के भविष्य निर्माण में एक सशक्त माध्यम है, जिससे वे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार सही कैरियर का चयन कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों को लक्ष्य निर्धारण, सतत परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए कई उपयोगी टिप्स दिए। मेले में जनपद के 39 राजकीय विद्यालयों सहित अनेक सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, प्रधानाचार्य एवं शिक्षक शामिल हुए। विभिन्न क्षेत्रों से आए विशेषज्ञों ने सिविल सेवा, विधि, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, चार्टर्ड अकाउंटेंसी, शिक्षा एवं राजनीति जैसे विषयों पर मार्गदर्शन देकर बच्चों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के आयोजक जिला विद्यालय निरीक्षक भदोही अंशुमान उपस्थित रहे।

डायट में मतदाता रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम व कक्ष का शुभारंभ, डीईओ ने की युवाओं से पंजीकरण की अपील

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के तहत मंगलवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), भदोही में मतदाता रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर डायट परिसर में मतदाता रजिस्ट्रेशन कक्ष का भी उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के महत्व पर जोर दिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार ने कहा कि जो युवक-युवतियां 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं अथवा जिनका नाम किसी कारणवश मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं हो पाया है, वे फार्म-6 भरकर अनिवार्य रूप से अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाएं। उन्होंने कहा, 'हर वोट है जरूरी, इसलिए मतदाता के रूप में आज ही पंजीकरण कराएं।' उन्होंने बताया कि दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 06 जनवरी से 06 फरवरी 2026 तक निर्धारित है, जिसमें मतदाता अपने दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते हैं। फार्म-6 संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अथवा तहसील कार्यालय में जमा किया जा सकता है, जबकि वोटर सर्विस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध है।

डीईओ ने बताया कि यदि किसी मतदाता के विवरण में नाम, आयु, पता आदि में त्रुटि है तो उसके सुधार के लिए फार्म-8 भरा जा सकता है। सामान्य निवास के आधार पर एक बूथ से दूसरे बूथ अथवा एक विधानसभा से दूसरी विधानसभा में स्थानांतरण के लिए भी फार्म-8 का प्रावधान है। वहीं, यदि किसी नाम पर आपत्ति हो तो फार्म-7 भरकर आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आयोग द्वारा चार अर्हक तिथियां–01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर निर्धारित की गई हैं। ऐसे मतदाता जो इन तिथियों को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, वे भी दावे-आपत्तियों की अवधि में फार्म-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 11 जनवरी 2026 को सभी मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारी जनसामान्य एवं बूथ लेवल एजेंटों के समक्ष मतदाता सूची का वाचन करेंगे। मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन 06 जनवरी से 06 फरवरी 2026 तक सभी मतदान केंद्रों पर अवलोकन के लिए उपलब्ध रहेगा। इसके अतिरिक्त मतदाता अपना नाम एवं विवरण www.ceouttarpradesh.nic.in की वेबसाइट पर 'Search Your Name in Electoral Roll' विकल्प के माध्यम से, https://electoralsearch.in, https://voters.eci.gov.in अथवा Voter Help Line App डाउनलोड कर भी देख सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा उपस्थित नागरिकों को मतदाता शपथ भी दिलाई गई, जिसमें लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन में निर्भीक होकर मताधिकार के प्रयोग का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर भान सिंह, तहसीलदार ज्ञानपुर अजय सिंह, डायट प्राचार्य विकास चौधरी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पाण्डेय, जिला सूचना अधिकारी डॉ. पंकज कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वाराणसी खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार दिनांक 01 नवम्बर, 2025 की अर्हता तिथि के आधार पर वाराणसी खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960 के अनुसार तैयार हो गयी है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन आज दिनांक 06 जनवरी, 2026 को कर दिया गया है। उक्त अंतिम प्रकाशित निर्वाचक नामावली सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी, कार्यालय एवं उप जिलाधिकारी/पदनामित सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय पर जन सामान्य के अवलोकनार्थ निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। जनपद के समस्त मतदाताओं से अपील है कि वे कार्यालय अवधि में उपरोक्तानुसार विहित स्थलों पर उपस्थित होकर मतदाता सूची का अवलोकन कर सकते हैं।

नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में भाकपा माले का कलेक्ट्रेट पर धरना

मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भाकपा माले के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने नेताओं की कथित मनमानी गिरफ्तारी और प्रशासनिक उत्पीड़न के विरोध में मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। पार्टी नेताओं ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि जनआंदोलनों का नेतृत्व करने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है।

धरना दे रहे कार्यकर्ताओं ने बताया कि भाकपा माले के उत्तर प्रदेश सचिव सुधाकर यादव एवं राज्य कमेटी सदस्य कॉमरेड जिला भारती को बीते 3 जनवरी को मिर्जापुर जनपद के अदलहाट-चुनार क्षेत्र से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे एक अंत्येष्टि कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। आरोप है कि पुलिस ने बिना किसी ठोस कारण के, बगैर वारंट दिखाए और यह बताए बिना कि किस मामले में गिरफ्तारी की जा रही है, दोनों नेताओं को हिरासत में ले लिया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस अधिकारियों से संपर्क करने पर भी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई और लगभग 24 घंटे बाद यह जानकारी मिली कि दोनों नेताओं को सीधे जेल भेज दिया गया है।

पार्टी का आरोप है कि गिरफ्तार किए गए नेता मिर्जापुर जनपद में वन अधिकार कानून के तहत आदिवासियों के हक की लड़ाई लड़ रहे थे और बुलडोजर कार्रवाई व विस्थापन के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे। बताया गया कि लालगंज क्षेत्र के तेंदुआ खुर्द गांव में चार पीढ़ियों से आबाद गरीब वनवासियों को बेदखल करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके विरोध में बीते माह लालगंज तहसील और 2 जनवरी को मंडल आयुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया था। भाकपा माले का कहना है कि इन्हीं जनसंघर्षों के कारण प्रशासन द्वारा नेताओं और कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न किया जा रहा है, जिसे तत्काल रोका जाना चाहिए। धरना-प्रदर्शन के दौरान ज्वाला प्रसाद, बनारसी सोनकर, कबूतर, इंद्रदेव पाल, शिव बहादुर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया मतदाता आलेख्य का प्रकाशन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 हेतु तैयार की गयी निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन दिनांक 06.01.2026 को जनपद समस्त मतदेय स्थल/मतदान केन्द्र, तहसील पर किया गया। उक्त के अतिरिक्त जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को जनपद स्तर पर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता मे बैठक आयोजित कर सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के माध्यम से आलेख्य निर्वाचक नामावली की 01 प्रति हार्ड एवं 01 प्रति सॉफ्ट कॉपी मे प्राप्त करायी गयी और मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य मे राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियों से सहयोग की अपेक्षा की गयी।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदान आलेख्य प्रकाशन के पश्चात् प्रेसवार्ता कर प्रेस प्रतिनिधियों को बताया गया कि उपर्युक्त स्थलों पर आलेख्य मतदाता सूची जनमानस के अवलोकन हेतु उपलब्ध रहेगी। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026, आलेख्य प्रकाशन दिनांक 06.01.2026 महत्वपूर्ण बिन्दु है- आलेख्य प्रकाशित निर्वाचक नामावली मे कुल 10, 27, 004 मतदाता पंजीकृत हैं, जिसमे 5, 56, 580 पुरुष, 4, 70, 371 महिला एवं 53 थर्ड जेण्डर सम्मिलित हैं। वरिष्ठ मतदाताओं (85 प्लस) की संख्या 6320 है, जिसमे 2722 पुरुष एवं 3598 महिला सम्मिलित हैं। युवा मतदाताओं की संख्या 2604 है जिसमे 1285 पुरुष एवं 1319 महिला सम्मिलित हैं। दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 12731 है जिसमे 8208 पुरुष 4521 महिला एवं 02 थर्ड जेण्डर सम्मिलित हैं। दिनांक 06.01.2026 को आलेख्य प्रकाशन के पश्चात जनपद का इलेक्टर जेण्डर रेशियो 845 हो गया है।

जनपद में कुल 705 मतदान केन्द्र हैं जिसमे भदोही मे 241, ज्ञानपुर मे 236 एवं औराई में 228 मतदान केन्द्र स्थापित हैं। जनपद मे कुल मतदेय स्थलों की संख्या 1404 हैं जिसमे भदोही मे 504, ज्ञानपुर मे 458 एवं औराई मे 442 मतदेय स्थल स्थापित हैं। उक्त समस्त मतदेय स्थलों पर बीएलओ एवं सुपरवाईजर तैनात कर लिये गए हैं। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 की गणना अवधि मे बीएलओ द्वारा 43, 696 (भदोही-16680, ज्ञानपुर-11701 एवं औराई 15315) मतदाता नो मैपिंग की श्रेणी मे चिन्हित किये गये हैं जो कुल मतदाताओं का 3.54 प्रतिशत है। उक्त मतदाताओं को बीएलओ के माध्यम से नोटिस प्रेषित किया जायेगा एवं नोटिस पर प्रदर्शित सम्बन्धित सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय मे निर्धारित तिथि पर उपस्थित होकर मा0 आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेज उपलब्ध करा कर मतदाता सूची मे अपना नाम सुरक्षित करा सकते हैं। बीएलओ द्वारा नोटिस सम्बन्धित मतदाता के घर पर जाकर तामीला कराई जायेगी। तत्समय यदि मतदाता चाहे तो आवश्यक निर्धारित दस्तावेज बीएलओ को उपलब्ध करा सकते हैं एवं बीएलओ बीएलओ ऐप के माध्यम से उस दस्तावेज को अपलोड कर देगा। आयोग द्वारा दिनांक 06.01.2026 से 06.02.2026 तक दावे-आपत्ति का समय निर्धारित किया गया जिसमे युवा अर्ह नागरिक फार्म-6 आनलाइन/आफलाइन भरकर अपना नाम मतदाता सूची मे पंजिकृत करा सकते हैं। उक्त के अतिरिक्त यदि कोई मतदाता मृतक हो गया है अथवा पर्मानेन्टली शिफ्टेड हो गया है तो उसके सम्बन्धी द्वारा फार्म-7 भरकर मतदाता सूची से उसका नाम विलोपित करा सकते हैं। इसी प्रकार मतदाता को अपना नाम अथवा पता संशोधित कराना हो तो फार्म-8 भर सकते हैं। मतदाता सूची का अन्तिम प्रकाशन दिनांक 06.03.2026 को किया जायेगा। आयोग द्वारा मतदाता हेतु 04 अर्ह तिथियां यथा 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर निर्धारित की गयी हैं।

भिवंडी कांग्रेस में बैनर-पोस्टर से कार्यालय उद्घाटन तक पहुंचे सपा विधायक रईस शेख.

मनपा चुनाव में सपा की मुश्किलें बढ़ीं, कांग्रेस-राकांपा के प्रचार में दिखे विधायक

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी मनपा प्रभाग क्रमांक 9 ए, बी, सी और डी से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार मोमिन तारिक अब्दुल बारी, अंसारी निखत दानिश, अंसारी जोहा असरार (लक्की) और प्रशांत अशोक लाड के चुनावी मंच पर सपा विधायक रईस कासिम शेख की मौजूदगी ने राजनीतिक हलचल और तेज कर दी है। मंच पर विधायक को देखते ही कांग्रेस उम्मीदवारों ने अपने कंधों से कांग्रेस का चुनावी गमछा उतार दिया। मंच पर मौजूद एक पूर्व मंत्री के गले से भी कांग्रेस चुनाव चिन्ह वाला गमछा हटाया गया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो को लेकर शहर में चर्चा है कि जब कार्यक्रम कांग्रेस का था, तो सपा विधायक वहां किस हैसियत से पहुंचे। जबकि इसी प्रभाग में समाजवादी पार्टी से अ,ब,क और ड.से क्रमशः इस्माईल मो.युसुफ रंगरेज,खान इकरा बानो (डब्बल),अंसारी निलोफर और दीपक बलवंत वाणी चुनावी रण में है।

भिवंडी महानगरपालिका चुनाव को लेकर शहर में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक रईस कासिम शेख की गतिविधियों ने सपा खेमे में बेचैनी बढ़ा दी है। विधायक रईस शेख सपा उम्मीदवारों के प्रचार से दूरी बनाते हुए कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के उम्मीदवारों के समर्थन में सक्रिय नजर आ रहे हैं।

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि विधायक रईस शेख हाल के दिनों में कांग्रेस के बैनर-पोस्टर से लेकर कार्यालय उद्घाटन और चुनावी सभाओं तक में शामिल हो चुके हैं। वहीं समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अजय लाला द्वारा रात के समय विधायक रईस शेख से लगातार बैठकें किए जाने की भी शहर में चर्चा है। इन घटनाक्रमों को लेकर सपा उम्मीदवारों में असमंजस और चिंता का माहौल बना हुआ है। बताया जा रहा है कि भिवंडी मनपा चुनाव अब पार्टी बनाम पार्टी की बजाय व्यक्तिगत समीकरणों और राजनीतिक खींचतान का रूप लेता जा रहा है। सपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि विधायक का खुला समर्थन न मिलने से चुनावी रणनीति कमजोर पड़ रही है।

गौरतलब है कि भिवंडी मनपा की कुल 90 सीटों में से समाजवादी पार्टी ने 59 सीटों पर साइकिल चुनाव चिन्ह के साथ अपने उम्मीदवार उतारे हैं। हालांकि विधायक रईस शेख की निष्क्रियता और कांग्रेस-राकांपा उम्मीदवारों के साथ बढ़ती नजदीकियों के चलते सपा का खाता खुलेगा या नहीं, इस पर सवाल खड़े हो गए हैं। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, यदि यही स्थिति बनी रही तो इसका सीधा असर सपा के चुनावी प्रदर्शन पर पड़ सकता है।

अवैध गुटखा तस्करी पर क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई.

भिवंडी में 54.99 लाख रुपये का प्रतिबंधित गुटखा जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी। भिवंडी क्राइम ब्रांच ने अवैध गुटखा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भिवंडी में करीब 54 लाख 99 हजार रुपये कीमत का प्रतिबंधित गुटखा जब्त किया है। इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई भिवंडी शहर के अंतर्गत की गई।

पुलिस के अनुसार, क्राइम ब्रांच यूनिट-2 भिवंडी को गुप्त सूचना मिली थी कि दो टेम्पो वाहनों के माध्यम से प्रतिबंधित गुटखा अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस निरीक्षक शीतल राजत के मार्गदर्शन में टीम ने नाकाबंदी कर संदिग्ध टेम्पो को रोका। जांच के दौरान टेम्पो क्रमांक एमएच-04-एल आई-3391, डी डी 01 एफ 9102 और एमएच-04-एल आई-3910 की तलाशी ली गई, जिसमें भारी मात्रा में प्रतिबंधित गुटखा बरामद हुआ। जब्त किए गए गुटखे की कुल कीमत 54.99 लाख रुपये बताई गई है। जबकि तीनों टेपों मिलाकर 77,99 लाख रूपये का मुद्दे माल जब्त किया गया। मौके से तीन आरोपियों को हिरासत में लिया गया, जिनसे आगे की पूछताछ जारी है।

इस मामले में भिवंडी शहर पुलिस थाने

में मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006, संबंधित सरकारी आदेशों के उल्लंघन और भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जब्त किया गया गुटखा महाराष्ट्र में प्रतिबंधित है और इसे अन्य जिलों में सप्लाई करने की तैयारी थी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस अवैध तस्करी के पीछे कोई संगठित गिरोह तो सक्रिय नहीं है। यह कार्रवाई ठाणे पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर की गई। क्राइम ब्रांच की इस कार्रवाई से अवैध गुटखा कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

प्रेमजाल में फंसाकर शारीरिक संबंध, फिर सोशल मीडिया पर बदनाम..

शादी का झांसा देकर संबंध बनाने और आपत्तिजनक फोटो-वीडियो वायरल करने का आरोप....

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।नारपोली थाना क्षेत्र में एक युवती को प्रेमजाल में फंसाकर शादी का भरोसा दिलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने और बाद में सोशल मीडिया के जरिए बदनाम करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, 23 वर्षीय पीड़िता की पहचान निखिल गोविंद सिंह गौतम (26) से हुई थी। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और आरोपी ने शादी का आश्वासन देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। यह घटनाएं 15 जून 2025 से 5 जनवरी 2026 के बीच महाबलेश्वर के एक होटल, बालकुंभ स्थित होटल और काल्हेर इलाके में आरोपी के घर पर हुईं। पुलिस का कहना है कि जब पीड़िता ने आगे संबंध रखने से इनकार किया, तो आरोपी ने बदले की भावना से उसका मोबाइल फोन इस्तेमाल कर उसके नाम से फर्जी व्हाट्सऐप ग्रुप बनाया। इस ग्रुप में पीड़िता के परिचितों को जोड़कर आपत्तिजनक फोटो और वीडियो वायरल किए गए। इतना ही नहीं, आरोपी ने इंस्टाग्राम पर भी फर्जी अकाउंट बनाकर पीड़िता और स्वयं के निजी फोटो-वीडियो अपलोड किए, जिससे समाज में पीड़िता की छवि को नुकसान पहुंचा। मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर पीड़िता ने नारपोली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। नारपोली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 64, 67, 356, 351(2) तथा आईटी एक्ट की धाराएं 66(E), 67 और 67(1) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि डिजिटल सबूत जुटाए जा रहे हैं और आरोपी से पूछताछ जारी है। पीड़िता की पहचान गोपनीय रखी गई है। मामले की आगे की जांच पुलिस निरीक्षक ज्ञानेश्वर कदम कर रहे हैं।

सड़क विवाद ने लिया हिंसक रूप, परिवार पर जानलेवा हमला...

तेज रफ्तार कार को लेकर झगड़ा, गला दबाने की कोशिश और कार में तोड़फोड़..छह लोगों पर केस.

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर में मामूली सड़क विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। तेज रफ्तार कार को लेकर हुए विवाद में एक परिवार पर जानलेवा हमला करने, धमकी देने और कार में तोड़फोड़ करने का गंभीर मामला सामने आया है। निजामपुरा पुलिस स्टेशन ने इस मामले में छह आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और मोटर वाहन अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 4 दिसंबर की शाम करीब 4:30 बजे मिल्लतनगर रोड, आगा रोड स्थित फिरदौस मंजिल के सामने, अलराजी हॉस्पिटल के पास हुई। शिकायतकर्ता अपनी कार (MH 04 MF 9057) से जा रहे थे, तभी आरोपी नासिर मंसूर नोमानी ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी कार को ओवरटेक किया। आरोप है कि इसके बाद नासिर ने शिकायतकर्ता और उनकी पत्नी से गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। उसने अपने परिजनों को मौके पर बुला लिया। कुछ ही देर में पहुंचे आरोपियों ने शिकायतकर्ता की पत्नी को जबरन कार से बाहर खींचने का प्रयास किया, जबकि शिकायतकर्ता का गला दबाकर हत्या की कोशिश की गई। पुलिस शिकायत में कहा गया है कि आरोपियों ने लकड़ी की मोटी लाठी से शिकायतकर्ता की कार के बोनट और शीशे तोड़ दिए। इसी दौरान आरोपी हुजैफा ने लाठी से हमला करते हुए कहा कि आज तुझे मार डालेंगे। मौके पर मौजूद परिजनों ने बीच-बचाव कर किसी तरह पीड़ित परिवार को बचाया।निजामपुरा पुलिस ने आरोपियों नासिर मंसूर नोमानी, शिरीन नासिर नोमानी, जरीना नोमानी, याकूबा नोमानी, हुजैफा नोमानी और मंसूर नोमानी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 74, 79, 351(1), 324, 281, 3(5) सहित मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद कुछ समय के लिए इलाके में तनाव का माहौल रहा, हालांकि फिलहाल स्थिति शांत है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश तेज कर दी है।

शो-रूम का शटर तोड़कर 85 हजार की नकद चोरी से फैला दहशत,केस दर्जकर चोरों की तलाश में पुलिस

भिवंडी। भिवंडी के चुनाव आचार सहित के बीच चोरी की घटना में जोरदार वृद्धि हो रही है।स्थानीय अशोक नगर इलाके में एक शोरूम का पीछे का शटर तोड़कर अज्ञात चोरों ने शोरूम से 85 हजार की नगद राशि की चोरी कर फरार हो गए।पुलिस चोरों की तलाश में सरगर्मी से जुट गई है। पुलिस के अनुसार अशोक नगर प्रवेश द्वार के पास धीरज शंकरलाल पटेल का हार्डवेयर व टाइल्स का 'उमिया डेकोर' नामक शो-रूम स्थित है। 4 जनवरी की रात लगभग 9.00 बजे शोरूम बंद होने के बाद 5 जनवरी की सुबह 8.45 बजे के बीच अज्ञात चोर ने शो-रूम के पीछे लगा शटर को तोड़कर अंदर प्रवेश किया और गल्ले में रखा 85,000 रुपये की नकद राशि चुराकर फरार हो गए।दूसरे दिन शोरूम चालू हुआ तो मालिक को चोरी की जानकारी हुई।जिसके बाद उन्होंने शांतिनगर पुलिस स्टेशन में पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 331(4), 332(3) के तहत पंजीकृत कराया है।पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपी की तलाश जारी है। क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से व्यापारियों में चिंता का माहौल बना हुआ है।

भिवंडी में पिता ने बेटे और बहू के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत...

जबरन ताला तोड़कर मकान पर कब्जे और जान से मारने की धमकी का आरोप

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर में रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक बुजुर्ग पिता ने अपने ही बेटे और बहू के खिलाफ मकान का ताला तोड़कर जबरन कब्जा करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। यह मामला इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

पुलिस के अनुसार, दीवान शाह दरगाह रोड स्थित हाजीनगर निवासी और दूध डेयरी का व्यवसाय करने वाले मोहम्मद अकबर कल्लू अंसारी (60) ने भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में बताया है कि उनके बेटे अख्तर अली मोहम्मद अकबर अंसारी और बहू शालियाबानो अख्तर अंसारी ने बिना किसी कानूनी अधिकार के उनके मकान में जबरन प्रवेश किया। शिकायतकर्ता के अनुसार, यह घटना 2 जनवरी की रात करीब 12 बजे की है, जब बेटे ने घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और संपत्ति पर कब्जा करने की कोशिश की। आरोप है कि जब पिता ने इसका विरोध किया तो बेटे ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी, जबकि बहू ने झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी। पिता ने शिकायत में यह भी बताया है कि इन घटनाओं के बाद से वह गंभीर मानसिक तनाव में हैं और उन्हें अपने जीवन को लेकर खतरा महसूस हो रहा है। इसके बाद उन्होंने 4 जनवरी को भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन पहुंचकर बेटे और बहू के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 329(3), 329(4), 351, 352 और 3(5) के तहत मामला दर्ज कराया। भोईवाड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पिता द्वारा अपने ही बेटे और बहू पर लगाए गए गंभीर आरोपों के चलते यह मामला शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

महाप्रबंधक ने मध्य रेल के 11 कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने 6 जनवरी 2026 को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर आयोजित एक समारोह में मध्य रेल के 11 कर्मचारियों (मुंबई मंडल से 4, पुणे मंडल से 3, भुसावल मंडल से 3 और नागपुर मंडल से 1) को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया।

यह संरक्षा पुरस्कार संबंधित कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान उनकी सतर्कता, अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान और पिछले महीनों के दौरान ट्रेन परिचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रदान किए गए। प्रत्येक पुरस्कार में एक पदक, प्रशंसा पत्र, अनुकरणीय संरक्षा कार्य प्रशस्ति पत्र और ?3500/- का नकद पुरस्कार शामिल है।

पुरस्कार विजेताओं का विवरण

मुंबई मंडल

1. बस्तीराम अव्हाड, ट्रैक मेंटेनर, कल्याण, मुंबई मंडल दिनांक 01.12.2025 को ड्यूटी पर रहते हुए, किलोमीटर 110/27 पर स्थित ओएचई मॉस्ट को झुका हुआ देखा। उन्होंने तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। उनकी सतर्कता और पैनी नज़र ने एक संभावित अप्रिय घटना को टालने में मदद की।

2. विवेक कुमार, हेल्पर (एस ' टी), ठाणे, मुंबई मंडल, दिनांक 20.11.2025 को ड्यूटी पर रहते हुए, किलोमीटर 31/62 पर रेल पटरी में दरार देखी। उन्होंने तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया और आवश्यक कार्रवाई की गई। उनकी सतर्कता और सूक्ष्म दृष्टि ने एक संभावित दुर्घटना को टालने में मदद की।

3. संतोष जाधव, विद्युत सिग्नल मेंटेनर (ईएसएम), दादर, मुंबई मंडल, 09.12.2025 को ड्यूटी पर थे, तभी उन्होंने किलोमीटर 8/34 पर रेल पटरी में दरार देखी। उन्होंने तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया और आवश्यक कार्रवाई की गई। उनकी सतर्कता और पैनी दृष्टि से एक संभावित दुर्घटना टल गई।

4. बिजेंद्र कुमार राय, विद्युत सिग्नल मेंटेनर (ईएसएम), कुर्ला, मुंबई मंडल, 18.11.2025 को ड्यूटी पर थे, तभी उन्होंने किलोमीटर 23/13 पर रेल पटरी में दरार देखी। उन्होंने तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया और

आवश्यक कार्रवाई की गई। उनकी सतर्कता और पैनी नज़र से एक संभावित दुर्घटना टल गई।

पुणे मंडल

5. गणेश नमाने, ट्रैक मेंटेनर, दौंड, पुणे मंडल, 02.12.2025 को दौंड यार्ड में ड्यूटी पर थे। उन्होंने देखा कि गुजर रहे मालगाड़ी के ब्रेक असेंबली का पैनल रॉड अपनी जगह से खिसक गया था और धुरी (एक्सेल) पर गिर गया था, जिससे एक असामान्य ध्वनि उत्पन्न हो रही थी। उन्होंने तुरंत ट्रेन रोकने का संकेत दिया और सभी संबंधित अधिकारियों को सूचित किया।

उनकी सतर्कता, पैनी नज़र और त्वरित कार्रवाई से एक संभावित दुर्घटना टल गई।

6. सुभाष सुरेश मंडल, ट्रैक मेंटेनर, उरुली, पुणे मंडल, 02.12.2025 को ड्यूटी पर रहते हुए, डाउन साइड पर किलोमीटर 210/840 पर रेल वेल्डिंग टूटी हुई देखी।

उन्होंने तुरंत सभी संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। उनकी सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक संभावित अप्रिय घटना टल गई।

7. आलोक वर्मा, तकनीशियन (सी एंड डब्ल्यू), दौंड, पुणे मंडल, दिनांक 16.12.2025 को ड्यूटी पर रहते हुए, दुर्घटना को टालने में मदद की।

भुसावल मंडल

8. एच के वर्मा, सहायक लोको पायलट, भुसावल, भुसावल मंडल, दिनांक 16.12.2025 को ट्रेन संख्या 12880 भुवनेश्वर-एलटीटी एक्सप्रेस पर ड्यूटी पर थे। लोको संख्या 30701 का कार्यभार संभालने के बाद, नियमित जांच के दौरान, उन्होंने देखा कि पहिया संख्या 5 के पास प्राथमिक हेलिकल स्प्रिंग टूटी हुई है। उन्होंने तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। उनकी सतर्कता और पैनी नज़र ने एक संभावित अप्रिय घटना को टालने में मदद की।

9. किशोर रमेश निकम, ट्रैक मेंटेनर, शेगांव, भुसावल मंडल, दिनांक 15.12.2025 को ड्यूटी पर रहते हुए, रात्रि निरीक्षण के दौरान 01.10 बजे, किलोमीटर 498/14 पर एक वेल्ड में खराबी और फिशप्लेट के गिरने का पता चला। उन्होंने तुरंत ट्रैक को सुरक्षित किया और सभी संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। उनकी सतर्कता और पैनी नजर ने एक संभावित अप्रिय घटना को टालने में मदद की।

10. सरिता मोरे, हेड कांस्टेबल आरपीएफ, नासिक रोड, भुसावल मंडल, दिनांक 29.11.2025 को नासिक रोड स्टेशन पर ड्यूटी के दौरान, उन्होंने मालगाड़ी की रोलिंग जांच के दौरान, उन्होंने देखा कि एक वैगन का सीबीसी प्रोजेक्शन निर्धारित सीमा से अधिक था। गहन निरीक्षण से पता चला कि सीबीसी फ्रंट फॉलोअर प्लेट टूटी हुई थी। तत्काल कार्रवाई की गई और उनकी सतर्कता और पैनी दृष्टि ने एक संभावित दुर्घटना टल गई।

11. रामसिंह सोनपुरे, केबिन मास्टर, देखा कि ट्रेन संख्या 22221 राजधानी एक्सप्रेस के कोच संख्या बी-4 से एक यात्री चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश करते समय गिर गया। ट्रेन स्टेशन से रवाना हो रही थी। उन्होंने तुरंत सहायता के लिए दौड़ लगाई और यात्री को चोट लगने से बचाया। उनकी सतर्कता और सूझबूझ ने यात्री को घायल होने से बचा लिया।

नागपुर मंडल

मगर्दोह, नागपुर मंडल, दिनांक 09.11.2025 को ड्यूटी के दौरान, गुजर रही मालगाड़ी के साथ सिग्नल के आदान-प्रदान के दौरान, उन्होंने ब्रेक वैन से पहले दूसरे डिब्बे से धुआं निकलते देखा और कुछ जलने की गंध भी आई। उन्होंने तुरंत ट्रेन को रोकने के लिए खतरे का संकेत दिया। जांच में डिब्बे में एक गर्म धुरी (हॉट एक्सेल) पाई गई। उनकी सतर्कता और पैनी नजर ने एक संभावित दुर्घटना को टालने में मदद की।

महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उनकी सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनका उदाहरण अन्य लोगों को यात्री संरक्षा सुनिश्चित करने और जीवन, माल और रेलवे संपत्तियों की रक्षा करने के लिए प्रेरित करेगा।

इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक प्रतीक गोस्वामी, प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी चंद्र किशोर प्रसाद, अन्य प्रधान विभागाध्यक्ष और मध्य रेल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दहशत का माहौल : मऊ रेलवे स्टेशन पर बम की सूचना से मचा हड़कंप

मुंबई जाने वाली काशी एक्सप्रेस खाली कराई गई

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मऊ रेलवे स्टेशन पर बम की खबर से अफरा-तफरी मच गई, जब अधिकारियों को गोरखपुर से मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस जाने वाली 15018 डाउन ट्रेन में एक विस्फोटक डिवाइस होने की जानकारी मिली। अलर्ट मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर आ गईं और पूरे स्टेशन पर तनाव का माहौल छा गया। जानकारी के अनुसार, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कदम उठाए गए।

पुलिस अधीक्षक इलमारन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार पुलिस टीम के साथ स्टेशन पहुंचे। इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने जीआरपी और आरपीएफ कर्मियों के साथ मिलकर तुरंत ट्रेन को खाली कराया और यात्रियों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया ताकि ट्रेन की गहन जांच शुरू की जा सके।

अधिकारियों के अनुसार, 15018 ट्रेन के हर डिब्बे की पूरी तरह से तलाशी ली जा रही है। किसी भी तरह की आवाजाही को रोकने के लिए प्लेटफॉर्म और आस-पास के इलाकों को भी सुरक्षित कर लिया गया है। अचानक ट्रेन खाली कराने से यात्रियों में घबराहट फैल गई, हालांकि प्रशासन लगातार घोषणाएं करके लोगों से शांत रहने और निर्देशों का पालन करने का आग्रह करता रहा। सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं और ट्रेन को तभी रवाना होने दिया जाएगा जब जांच पूरी हो जाएगी और इलाके को सुरक्षित घोषित कर दिया जाएगा।

इससे पहले 19 दिसंबर को, नोएडा के कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिले थे, जो बाद में फर्जी निकले, पुलिस ने बताया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (गौतम बुद्ध नगर), राजीव नारायण मिश्रा ने पत्रकारों को बताया कि नोएडा के कुछ स्कूलों को उनके परिसर में बम हमले की धमकी वाले ईमेल मिले थे।

मिश्रा ने कहा था, 'सूचना मिलने पर, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस टीमों, बम निरोधक दस्तों, डॉग स्क्वॉड और तोड़फोड़ विरोधी इकाइयों के साथ मिलकर स्कूलों की गहन जांच की।' अधिकारी ने आगे कहा कि सुरक्षा टीमों ने एहतियात के तौर पर आस-पास के इलाकों, जिसमें पास के मेट्रो स्टेशन, बाजार और अन्य भीड़भाड़ वाली जगहें शामिल हैं, में भी तलाशी अभियान चलाया।

दिव्यांग क्षेत्र में कार्यरत संस्थाएं 31 जनवरी तक अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराएं

मुंबई।मुंबई उपनगर जिले में दिव्यांग क्षेत्र में कार्यरत अनेक संस्थाएं बिना पंजीकरण के कार्य कर रही हैं, ऐसा सामने आया है। दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों की सुरक्षा तथा कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ऐसी संस्थाओं का कानून के अनुसार पंजीकरण अनिवार्य है। इसी के मद्देनज़र मुंबई उपनगर जिले में दिव्यांग क्षेत्र में कार्य करने वाली सभी संस्थाओं से अपील की गई है कि वे 31 जनवरी 2026 तक अपना पंजीकरण पूर्ण कराएं, ऐसा आह्वान जिला दिव्यांग सशक्तिकरण अधिकारी, मुंबई उपनगर रविकिरण पाटील ने किया है।

दिव्यांग विभाग के सचिव तुकाराम मुंढे की अध्यक्षता में 7 नवंबर 2025 को राज्य के सभी जिलाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में दिव्यांग क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं का पंजीकरण अनिवार्य करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। दिव्यांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम 2016 के अंतर्गत दिव्यांग कल्याण आयुक्त को सक्षम अधिकारी घोषित किया गया है तथा उन्हीं के माध्यम से संबंधित संस्थाओं को पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाते हैं।

दिव्यांग क्षेत्र में कार्य करने के लिए दिव्यांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम 2016 के अनुसार संस्था का पंजीकरण आवश्यक है। इसके अनुसार मुंबई उपनगर जिले में जो संस्थाएं दिव्यांग क्षेत्र में कार्य करना चाहती हैं, उन्हें अपनी संस्था के पंजीकरण का प्रस्ताव संबंधित जिला दिव्यांग सशक्तिकरण अधिकारी, मुंबई उपनगर कार्यालय में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करना होगा।

प्रेस विज्ञप्ति में यह भी स्पष्ट किया गया है कि बिना पंजीकरण के कार्यरत संस्थाओं के विरुद्ध दिव्यांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम के अंतर्गत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

तलाक के बाद फिर एक साथ नजर आ सकते हैं युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर इन्फ्लुएंसर धनश्री वर्मा तलाक के महीनों बाद आने वाले रियलिटी शो 'द 50' में एक साथ नजर आने वाले हैं। शो के मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है। लेकिन कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार चहल और धनश्री दोनों ही संभावित लाइन-अप का हिस्सा हैं। 2020 में शादी करने वाले चहल और धनश्री अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ के पल ऑनलाइन शेयर करते थे। हालांकि, पिछले साल उनके अलग होने की खबर ने कई लोगों को चौंका दिया था, और तब से दोनों ने अपने ब्रेकअप के कारणों के बारे में ज्यादातर चुप्पी साधे रखी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक 'द 50' रियलिटी शो में हिस्सा लेने के लिए युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा से संपर्क किया जा सकता है। अगर वे एक ही शो में एक साथ नजर आते हैं, तो यह तलाक के बाद पहली बार होगा जब वे किसी पब्लिक प्लेटफॉर्म पर एक साथ दिखेंगे। चहल पहले कभी किसी रियलिटी शो में नहीं आए हैं, लेकिन धनश्री 'राइज एंड फॉल' में नजर आ चुकी हैं, जहां उन्होंने युजी के साथ अपने ब्रेकअप के बारे में कुछ चौंकाने वाले दावे किए थे, जिसमें शादी के पहले दो महीनों में उन पर धोखा देने का आरोप भी शामिल था। इनके अलावा कई अन्य सेलिब्रिटीज के भी बातचीत में होने या पहले ही फाइनल होने की बात कही जा रही है। इनमें ओरी, एमीवे बंटाई, निक्की तंबोली, श्वेता तिवारी, अंकिता लोखंडे, शिव ठाकरे, कुशा कपिला, श्रीसंत, उर्फी जावेद, तान्या मित्तल और फैसल शेख शामिल हैं। शो 'द 50' को भारत के सबसे बड़े रियलिटी फॉर्मेट में से एक के तौर पर प्रमोट किया जा रहा है, जिसमें खेल, फिल्म, टेलीविजन और डिजिटल कंटेंट सहित अलग-अलग क्षेत्रों के पचास तक कंटेस्टेंट शामिल होंगे। गौर हो कि युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा 2025 में एक दूसरे से अलग हो चुके हैं। दोनों ने दिसंबर 2020 में शादी के बाद आधिकारिक तौर पर तलाक हो गया। यह कपल आपसी सहमति से तलाक के लिए अर्जी देने से पहले लगभग 18 महीनों से अलग रह रहा था और बांद्रा फैमिली कोर्ट ने लगभग ?4.75 करोड़ के गुजारा भत्ता सेटलमेंट के साथ तलाक दे दिया। मीडिया इंटरव्यू में चहल ने तलाक के समय सामने आए धोखे के आरोपों से साफ इनकार किया और जोर देकर कहा कि उन्होंने कभी बेवफाई नहीं की और उस समय को अपने लिए भावनात्मक रूप से बहुत मुश्किल बताया।

विजय हजारे ट्रॉफी में भी नहीं चला शुभमन का बल्ला, सस्ते में लौटे पवेलियन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की सीमित ओवरों में खराब फॉर्म का सिलसिला जारी है। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में गोवा के खिलाफ पंजाब की ओर से खेलते हुए गिल रनचेज में खास प्रभाव नहीं छोड़ सके और सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हो गए। जयपुर में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब को 212 रन का लक्ष्य मिला था।

पंजाब की पारी के दौरान शुभमन गिल ने शुरुआत में अर्जुन तेंदुलकर और वासुकी कौशिक के खिलाफ एक-एक चौका जरूर लगाया, लेकिन पांचवें ओवर की पहली गेंद पर वासुकी कौशिक ने उन्हें चलता कर दिया। गिल 12 गेंदों में 11 रन बनाकर सुयश प्रभुदेसाई को कैच दे बैठे। यह वही मुकाबला था, जो ऊ20 वर्ल्ड कप 2026 टीम से बाहर होने के बाद गिल का पहला प्रतिस्पर्धी मैच था।

शुभमन गिल का सफेद गेंद क्रिकेट में खराब दौर चिंता बढ़ा रहा है। उन्हें आखिरी बार 10 महीने पहले अर्धशतक बनाते देखा गया था। इसके बाद से उन्होंने 7 वनडे, 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय और अब विजय हजारे ट्रॉफी का एक मुकाबला खेला है, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं आई।

हालांकि इसके उलट, टेस्ट क्रिकेट में गिल का प्रदर्शन शानदार रहा। 2025 में खेले गए टेस्ट मैचों में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ रहे, भले ही चोट के कारण वह गुवाहाटी टेस्ट और ईडन गार्डन्स मं रनचेज का हिस्सा नहीं बन सके।

जयपुर में घने कोहरे के चलते पंजाब बनाम गोवा मैच देर से शुरू हुआ और इसे 40 ओवर प्रति पारी तक सीमित कर दिया गया। पंजाब के कप्तान प्रभसिमरन सिंह ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी चुनी। गोवा की शुरुआत खराब रही और टीम ने 67 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। इसके बाद सुयश प्रभुदेसाई (43 गेंदों में 66) और ललित यादव (59 गेंदों में 54) ने पारी संभाली।

लेकिन पंजाब के स्पिनर मयंक मार्कंडे ने चार विकेट लेकर गोवा को फिर संकट में डाल दिया। अंत में गोवा की टीम 33.3 ओवर में 211 रन पर ऑलआउट हो गई।

पंजाब का आखिरी लीग मुकाबला 8 जनवरी को जयपुर में मुंबई के खिलाफ है। यह साफ नहीं है कि गिल इस मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं। गौर है कि गर्दन की चोट के कारण गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज नहीं खेल पाए थे। अब वह 11 जनवरी से न्यूज़ीलैंड के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले हैं।

मजबूत जोखिम प्रबंधन से भारतीय बैंकों का कामकाजी माहौल सुधरेगा - फिच

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय बैंकों को आने वाले समय में रिजर्व बैंक की बेहतर निगरानी और मजबूत पर्यवेक्षण व्यवस्था का फायदा मिलने की उम्मीद है। इससे न सिर्फ बैंकिंग प्रणाली में जोखिम कम होंगे, बल्कि पूरे क्षेत्र का कामकाजी माहौल भी सुधरेगा। एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने एक रिपोर्ट में कहा कि मजबूत आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं और महंगाई के जोखिमों में कमी आने के साथ ये बदलाव बैंकिंग क्षेत्र के लिए सकारात्मक हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों में तनावपूर्ण हालात से निपटने, जोखिमों की निगरानी और खराब कर्ज की वसूली से जुड़े नियामकीय ढांचे में काफी सुधार हुआ है। फिच ने कहा, 'वित्त वर्ष 2015-16 से 2017-18 के बीच गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में तेज बढ़ोतरी के पीछे जिन कमजोरियों की भूमिका थी, उन्हें अब काफी हद तक दूर कर लिया गया है। फिलहाल बैंकिंग प्रणाली के प्रमुख आंकड़े कई वर्षों की सबसे मजबूत स्थिति में हैं।'

बैंकिंग क्षेत्र के कुल कर्जों में एनपीए का अनुपात वित्त वर्ष 2017-18 के 11.2 प्रतिशत से घटकर 2025-26 की पहली छमाही में 2.2 प्रतिशत रह गया है। इसी तरह, बैंकों की पूंजी स्थिति भी बेहतर हुई है। इसके अलावा बैंक की वित्तीय मजबूती और संकट झेलने की क्षमता का पैमाना माना जाने वाला कॉमन इक्विटी टियर-1 अनुपात भी बढ़कर 14.8 प्रतिशत हो गया है, जो वित्त वर्ष 2013-14 में करीब 9.3 प्रतिशत था। बैंकों की लाभप्रदता भी एशिया-प्रशांत क्षेत्र के समकक्ष देशों के अनुरूप है। हाल के वर्षों में परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (आरओए) करीब 1.3 प्रतिशत रहा है।

फिच का मानना है कि अपेक्षित ऋण क्षति (ईसीएल) ढांचे को लागू करने से मुनाफे में उतार-चढ़ाव कम होगा। आगे चलकर देश की मजबूत आर्थिक वृद्धि (अगले दो वर्षों में छह प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान) बैंकों को कर्ज विस्तार के पर्याप्त अवसर देगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत में बैंकिंग ऋण और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुपात अभी 59 प्रतिशत है, जो अन्य देशों के औसत 101 प्रतिशत से कम है। इससे संकेत मिलता है कि सावधानी बरतते हुए कर्ज वृद्धि की अभी काफी अच्छी गुंजाइश मौजूद है।

अनाहत सिंह ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वाश के फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में मिस्र की मलिका अल कराक्सी को आसानी से पराजित करके प्रतिष्ठित ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वाश में महिला एकल के अंडर-19 वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया।

अब तक 12 पीएसए टूर खिताब जीतने वाली 17 वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने बर्मिंघम विश्वविद्यालय में मलिका पर सिर्फ 28 मिनट में 11-8, 11-7, 11-9 से जीत हासिल की। फाइनल में अनाहत का सामना यूरोपीय जूनियर चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त फ्रांस की लॉरेन बाल्टायन से होगा।

अनाहत ब्रिटिश जूनियर ओपन में सभी आयु वर्गों में नौवीं बार फाइनल में पहुंची है और उनका लक्ष्य 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद इस प्रतियोगिता में अंडर19 खिताब जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनना है। इस बीच लड़कों के अंडर-17 वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी आर्यवीर दीवान सेमीफाइनल में मिस्र के फिलोपेटर सालेह से 9-11, 5-11, 7-11 से हार गए।

वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान : इंडिया रेटिंग्स

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। साख निर्धारित करने वाली इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने आगामी वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) तथा आयकर में कटौती जैसे प्रमुख सुधार और व्यापार समझौते, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने के रूप में काम करेंगे। साथ ही अर्थव्यवस्था को वैश्विक उथल-पुथल से बचाएंगे। इंडिया रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री देवेंद्र कुमार पंत ने कहा कि अर्थव्यवस्था में अगले वित्त वर्ष में भी उच्च वृद्धि दर और कम महंगाई दर (औसतन 3.8 प्रतिशत खुदरा मुद्रास्फीति) की स्थिति बनी रहेगी।

कम शुल्क वाले भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के आंकड़ों में और इजाफा होगा। एजेंसी ने चालू वित्त वर्ष में आधार वर्ष 2011-12 पर आधारित जीडीपी वृद्धि 7.4 प्रतिशत और बाजार मूल्य पर जीडीपी नौ प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इंडिया रेटिंग्स को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय रुपया औसतन 92.26 प्रति डॉलर रहेगा जो मौजूदा वित्त वर्ष में 88.64 प्रति डॉलर से अधिक है। एजेंसी ने साथ ही कहा कि सरकार के विशेष रूप से न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) विदेशी निवेश को बढ़ावा देंगे और अधिक विदेशी निवेश को आकर्षित करके चालू खाता घाटा (सीए) को कम रखने में मदद करेंगे।

पंत ने कहा कि सीमा शुल्क को युक्तिसंगत बनाना एवं विकसित भारत-राम-जी अधिनियम के तहत आवंटन एक फरवरी को निर्धारित 2026-27 के केंद्रीय बजट में अपेक्षित प्रमुख घोषणाएं होंगी। इसके अलावा, 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट को भी एक फरवरी को सार्वजनिक किया जाएगा। इसमें एक अप्रैल से शुरू होने वाले पांच वर्षों के लिए केंद्र और राज्यों के बीच कर हस्तांतरण के अनुपात का सुझाव दिया गया है। रेटिंग एजेंसी के अनुमान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में कर राजस्व में दो लाख करोड़ रुपए की कमी आएगी जिसकी भरपाई गैर-कर राजस्व संग्रह और पूंजीगत व्यय में मामूली कमी से की जाएगी। चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा बजट में अनुमानित 4.4 प्रतिशत और वास्तविक रूप से 15.69 लाख करोड़ रुपए रहेगा। एजेंसी के अनुसारख् संशोधित अनुमानों (आरई) में निरपेक्ष रूप से आंकड़ा बढ़ सकता है, हालांकि प्रतिशत के रूप में 4.4 प्रतिशत ही रहेगा।

ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं की क्षमता 2026 में 10 गुना होकर पांच गीगावाट पहुंचने का अनुमानः आईईएसए

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश में बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता में इस साल करीब 10 गुना वृद्धि होगी जिससे यह 2025 के 507 मेगावाट से बढ़कर पांच गीगावाट पर पहुंच जाएगी। मंगलवार को जारी इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस (आईएसई) के एक अध्ययन में यह बात सामने आई। रिपोर्ट के अनुसार, जहां 2025 अभूतपूर्व निविदा गतिविधि से परिभाषित था वहीं 2026 वह वर्ष होगा जब उद्योग परिचालन रूप से खुद को साबित करेगा क्योंकि 2023 के मध्य से दी गई निविदाओं के अंततः 18-24 महीनों की विशिष्ट परियोजना समयसीमा के साथ चालू परिसंपत्तियों में तब्दील हो जाएगी।

इस अध्ययन पर आईईएसए की ओर से जारी बयान में कहा गया कि भारत का ऊर्जा भंडारण क्षेत्र 2026 में एक परिवर्तनकारी उछाल के लिए तैयार है जिसमें बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता में वृद्धि 2025 में 507 मेगावाट से लगभग 10 गुना बढ़कर लगभग पांच गीगावाट (5, 000 मेगावाट) तक होने का अनुमान है।

इसमें कहा गया कि कि 2026 एक महत्वपूर्ण मोड़ है क्योंकि उद्योग निविदा प्रक्रिया से कार्यान्वयन की ओर अग्रसर है जिसमें 60 गीगावाट की परियोजनाएं कार्यान्वयन चरण में प्रवेश कर रही हैं, जबकि 2025 में संचयी क्षमता (कार्यान्वयन के तहत) में 84 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 224 गीगावाट तक पहुंच गई। आईईएसए के अध्यक्ष देबमाल्य सेन ने बयान में कहा, ''सभी की निगाहें इस बात पर रहेंगी कि इन परियोजनाओं का प्रदर्शन किए गए वादों के अनुरूप है या नहीं।''

जोश हेजलवुड टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले आरसीबी वापसी के लिए तैयार

सिडनी **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया के टॉप तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले पूरी तरह फिट हो गए हैं और बिग बैश लीग 2025-26 सीजन के बाकी मैचों के लिए सिडनी सिक्सर्स के लिए कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज को सप्लीमेंट्री कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया गया है और वह टूर्नामेंट के बाकी मैचों में सिक्सर्स के लिए खेलेंगे।

सिडनी सिक्सर्स ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'हम केएफसी बीबीएल 15 के लिए ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड का सप्लीमेंट्री कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ी के तौर पर स्वागत करते हुए उत्साहित हैं।' बिग बैश लीग में एक सप्लीमेंट्री कॉन्ट्रैक्ट क्लबों को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ियों को साइन करने की अनुमति देता है, जिनके नेशनल टीम की कमिटमेंट्स के कारण लिमिटेड उपलब्धता होने की उम्मीद है।

यह मैकेनिज्म बीबीएल क्लबों को टॉप ऑस्ट्रेलियाई टैलेंट को हासिल करने में मदद करने के लिए पेश किया गया था, ताकि उन्हें अपनी प्राइमरी 18-सदस्यीय बेंच पर एक कीमती जगह छोड़ने या ऐसे खिलाड़ी के लिए बड़ी सैलरी-कैप हिट करने के लिए मजबूर न होना पड़े जो शायद ज़्यादा मैच न खेले।

जोश हेजलवुड दुनिया के क्रिकेट में प्रमुख तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं, जिन्होंने अपनी सटीकता, बाउंस और निरंतरता से तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया है। वह जिस भी टीम का प्रतिनिधित्व करते हैं, वह उनकी मौजूदगी और प्रभाव को महत्व देती है। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज का चोटों का लंबा इतिहास रहा है। हाल ही में एशेज टेस्ट सीरीज के दौरान, हेजलवुड हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर हो गए थे।

उस झटके से उबरते समय उन्हें अकिलीज की समस्या के कारण एक और झटका लगा, जिससे उनकी वापसी में और देरी हुई। बीबीएल में उनकी वापसी से उनके फैंस के साथ-साथ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को भी राहत मिली है, जो आगामी टी20 वर्ल्ड कप में दूसरा खिताब जीतने का लक्ष्य बना रही है, जो उपमहाद्वीप में खेला जाएगा।

हेजलवुड के शामिल होने से सिडनी सिक्सर्स टीम और मजबूत होगी, खासकर जब सिडनी टेस्ट के बाद मिशेल स्टार्क और स्टीव स्मिथ के भी टीम में शामिल होने की उम्मीद है। हेजलवुड ने 2019 के बाद से बीबीएल में नहीं खेला है और उन्होंने कभी भी सिडनी सिक्सर्स के अलावा किसी अन्य फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व नहीं किया है। अपने आखिरी मैच में वह सिर्फ एक मैच में खेले थे। अनुभवी तेज गेंदबाज को आने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में भी शामिल किया गया है, जो नेशनल टीम में उनकी अहमियत को दिखाता है क्योंकि वह पूरी तरह से फिट होकर वापसी कर रहे हैं।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट सेंसेक्स 376 अंक टूटा, निफ्टी 26, 178 पर बंद

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार, 6 जनवरी को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट देखने को मिली। कारोबार के दौरान सेंसेक्स करीब 500 अंक तक टूट गया, जबकि निफ्टी 26, 150 के अहम स्तर से नीचे फिसल गया। हैवीवेट शेयरों में मुनाफावसूली, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और अमेरिका से जुड़े टैरिफ बयानों ने बाजार की धारणा को कमजोर किया।

ऑयल एंड गैस और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा दबाव देखने को मिला, जिससे बाजार की गिरावट और गहरी हो गई। सेंसेक्स 376 अंक या 0.44इ गिरकर 85, 063 पर बंद हुआ। निफ्टी 71 अंक या 0.27इ टूटकर 26, 178 के स्तर पर आ गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर टैरिफ बढ़ाने से जुड़े बयानों ने निवेशकों को सतर्क कर दिया। रूस से तेल खरीद को लेकर अमेरिका की नाराजगी ने ग्लोबल ट्रेड को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 36.25 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। हालांकि रकम बड़ी नहीं है लेकिन लगातार हो रही विदेशी बिकवाली बाजार के सेंटीमेंट और लिक्विडिटी पर दबाव बना रही है।

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव भी बाजार पर भारी पड़े। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी से जुड़ी खबरों के बाद अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अनिश्चितता बढ़ गई है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट डॉ. वी के विजयकुमार के मुताबिक, मौजूदा हालात में निवेशकों को सतर्क रहने और पर्याप्त कैश होल्डिंग बनाए रखने की जरूरत है।

बॉलीवुड में अब प्रतिभा की राह होगी आसान? दीपिका पादुकोण ने लॉन्च किया द ऑनसेट प्रोग्राम

बॉलीवुड अभिनेत्री सह निर्माता दीपिका पादुकोण ने सोमवार को अपना जन्मदिन मनाया और इस अवसर पर एक नयी पहल शुरू की। दीपिका ने कहा कि उनकी यह पहल अगली पीढ़ी की रचनात्मक प्रतिभाओं को सशक्त बनाएगी। 'चेन्नई एक्सप्रेस', 'पद्मावत', 'पिकू' और 'पठान' जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं दीपिका ने अपने 'क्रिएट विद मी' मंच के अगले अध्याय द ऑनसेट प्रोग्राम की घोषणा की, जिसका उद्देश्य उभरते कलाकारों को भारतीय फिल्म, टेलीविजन और विज्ञापन उद्योग में करियर बनाने के लिए सशक्त बनाना है।

अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा करते हुए दीपिका ने कहा, ''पिछले एक साल से मैं देश और विदेश की अद्भुत रचनात्मकता की धनी प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें एक ऐसा मंच प्रदान करने के बारे में दृढ़ता से सोच रही हूं, जहां उन्हें देखा, सुना और अनुभव किया जा सके। मैं 'द ऑनसेट प्रोग्राम' के आरंभ की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हूं और वास्तव में आप सभी को रचनात्मक प्रतिभा की धनी अगली पीढ़ी से परिचित कराने के लिए उत्सुक हूं।''

जीवन के 40 साल पूरे करने वालीं दीपिका को उम्मीद है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से होनहार प्रतिभाओं को प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उन व्यक्तियों के लिए भी एक मंच के रूप में काम करेगा जिनके पास अपनी परियोजनाओं का नेतृत्व करने के लिए प्रासंगिक विशेषज्ञता और अनुभव है।

इसके अलावा एक ट्रेनिंग और मौके देने वाले इनिशिएटिव के तौर पर, द ऑनसेट प्रोग्राम को मुख्य क्रिएटिव और टेक्निकल डिपार्टमेंट में उभरते टैलेंट को पहचानने और सपोर्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके पहले फेज़ में, यह प्रोग्राम राइटिंग, डायरेक्शन, कैमरा, लाइटिंग, एडिटिंग, साउंड डिज़ाइनिंग, आर्ट डायरेक्शन, कॉस्ट्यूम डिज़ाइनिंग, हेयर स्टाइलिंग, मेकअप आर्टिस्ट्री और प्रोडक्शन को कवर करेगा।

कंगना ने फिल्म का काम फिर से शुरू किया भारत भाग्य विधाता के सेट से अपडेट शेयर किया

संसदीय कामों और बिज़ी शेड्यूल के बीच, कंगना रनौत चुपचाप उस जगह लौट आई हैं जहाँ उन्हें सबसे ज़्यादा घर जैसा महसूस होता है- एक फिल्म सेट। एक्ट्रेस-पॉलिटिशियन ने आधिकारिक तौर पर अपने अगले प्रोजेक्ट, भारत भाग्य विधाता पर काम शुरू कर दिया है, शूटिंग की एक झलक शेयर की है और एक्टिंग में अपनी वापसी की घोषणा की है। कंगना ने अपने प्रोडक्शन बैनर, मणिकर्णिका फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा मूल रूप से शेयर किए गए एक वीडियो को रीपोस्ट करके फैंस को अपडेट दिया।

सोमवार को, कंगना ने अपने प्रोडक्शन बैनर, मणिकर्णिका फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा मूल रूप से पोस्ट किए गए एक वीडियो को रीपोस्ट करके इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ एक अपडेट शेयर किया। वीडियो में कंगना सेट पर आती हुई और डायरेक्टर मनोज तपाड़िया के साथ बातचीत करती हुई दिख रही हैं, जिसमें दोनों शूटिंग से पहले सेटअप पर चर्चा करते और स्क्रिप्ट देखते हुए नज़र आ रहे हैं। क्लिप को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर रीपोस्ट करते हुए, कंगना ने लिखा, 'फिल्म सेट पर वापस आकर अच्छा लगा।' वीडियो में, वह हल्के रंग के सूट में, हाथ में कागज़ पकड़े हुए और डायरेक्टर के साथ बातचीत में पूरी तरह से व्यस्त दिख रही हैं। भारत भाग्य विधाता के बारे में डिटेल्स अभी गुप्त रखी गई हैं। हालांकि, जब 2024 में फिल्म की घोषणा की गई थी, तो यह बताया गया था कि कंगना 'फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी जो आम लोगों की उल्लेखनीय कहानियों और उनकी असाधारण उपलब्धियों को दिखाएगी।' कंगना आखिरी बार इमरजेंसी में नज़र आई थीं, जो एक पॉलिटिकल ड्रामा था जिसे उन्होंने डायरेक्ट और को-प्रोड्यूस भी किया था। फिल्म में, उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया था, जिसकी कहानी 1975 और 1977 के बीच 21 महीने की इमरजेंसी अवधि पर केंद्रित थी। अपने महत्वाकांक्षी विषय के बावजूद, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं कर पाई। कास्ट में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े और मिलिंद सोमन भी शामिल थे।

चुनावी महासफर

MAHARASHTRA LEGISLATIVE ASSEMBLY ELECTION

जेनी शर्मा मुद्दों से टकराने वाला चेहरा

वार्ड 110 : नारों की राजनीति से ऊब चुके मतदाता, अब काम की कसौटी पर होगा फैसला

दिव्यांश

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका चुनाव में वार्ड क्रमांक 110 इस बार किसी दल की पारंपरिक पकड़ से बाहर निकलता दिखाई दे रहा है। यहां चुनावी चर्चा का केंद्र अब चेहरों और नारों से हटकर सीधे कामकाज और जवाबदेही पर आ गया है। मतदाता साफ कह रहे हैं– इस बार भरोसा बातों पर नहीं, नतीजों पर किया जाएगा।

हर गली में एक ही सवाल–कब मिलेगा समाधान?

सोसाइटी बैठकों, गलियों की चर्चाओं और चाय की दुकानों पर राजनीति से ज़्यादा स्थानीय समस्याओं की बात हो रही है।

पानी की अनियमित सप्लाई, सीवर लाइन की बदहाली, बरसात में जलभराव, टूटी सड़कें और सीमित स्वास्थ्य सुविधाएं–ये मुद्दे अब केवल शिकायत नहीं, बल्कि नाराज़गी की वजह बन चुके हैं।

लोग मानते हैं कि समस्याएं नई नहीं हैं, लेकिन हर चुनाव में सिर्फ आश्वासन मिलने से अब सब्र टूट चुका है।

इमोशन नहीं, एकाउंटेबिलिटी चाहिए

वार्ड 110 का मतदाता इस बार भावनात्मक भाषणों से प्रभावित होने को तैयार नहीं दिखता।

सवाल सीधे और स्पष्ट हैं–

कितना बजट आया?

कहां खर्च हुआ?

और ज़मीन पर उसका असर क्या है?

यानी चुनावी बहस अब भावनाओं से निकलकर आंकड़ों और प्रदर्शन पर टिक गई है।

जेनी शर्मा : मुद्दों से टकराने वाला चेहरा

बीजेपी प्रत्याशी श्रीमती जेनी शर्मा को लेकर चर्चा केवल पार्टी पहचान तक सीमित नहीं है।

उनका चुनावी अभियान पारंपरिक मंचों से ज्यादा घर-घर संवाद, महिलाओं से सीधी बातचीत और युवाओं के साथ खुले संवाद पर केंद्रित नजर आ रहा है।

स्थानीय मुद्दों पर सवालों से बचने के बजाय सामने आकर जवाब देने की उनकी शैली ने उन्हें चर्चा में बनाए रखा है।

महिलाएं, युवा और बुज़ुर्ग–तीनों की प्राथमिकताएं स्पष्ट

ग्राउंड रिपोर्ट के अनुसार–

महिलाएं सुरक्षा, स्वास्थ्य और योजनाओं के क्रियान्वयन पर ठोस जवाब चाहती हैं

युवा रोजगार, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे की समयसीमा पूछ रहे हैं

वरिष्ठ नागरिक जलभराव, सड़क और अस्पताल को निर्णायक मुद्दा मान रहे हैं

तीनों वर्गों की एक ही अपेक्षा है–

'ऐसा प्रतिनिधि जो चुनाव जीतने के बाद भी दिखाई दे।'

पिछले कार्यकाल पर असंतोष, पारदर्शिता की मांग

वार्ड में बीते कार्यकाल के कामकाज को लेकर सवाल अब दबे नहीं हैं।

काम की गुणवत्ता, ठेके और फंड उपयोग को लेकर खुली चर्चा हो रही है।

ऐसे माहौल में पारदर्शिता, नियमित जनसंपर्क और सार्वजनिक जवाबदेही की बात करने वाले उम्मीदवार को स्वाभाविक बढ़त मिलती दिख रही है।

निष्कर्ष : शोर नहीं, संकेत निर्णायक होंगे

वार्ड 110 में मुकाबला आसान नहीं, लेकिन हवा से ज़्यादा ज़मीनी संकेत बोल रहे हैं।

जो उम्मीदवार ठोस रोडमैप, निरंतर संवाद और जवाबदेही के साथ खड़ा है, वही मतदाताओं की पहली पसंद बनता दिख रहा है।

मतदान अभी बाकी है,

लेकिन वार्ड 110 का संदेश साफ है–

'इस बार पहचान पोस्टर से नहीं, प्रदर्शन से बनेगी।'

मुंबई का महापौर श्रमिकों की आवाज़ बनेगा!

मंत्री एड. आशीष शेलार की गारंटी

मुंबई। मुंबई का अगला महापौर महायुति का ही होगा–वह मराठी होगा, हिंदू होगा और मुंबई के कामगारों, कष्टकरियों व श्रमिकों की मज़बूत आवाज़ बनकर काम करेगा। यह स्पष्ट और ठोस गारंटी मुंबई उपनगर के पालक मंत्री एवं भाजपा के मुंबई महानगरपालिका चुनाव प्रभारी मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने आज गोरेगांव में दी।

गोरेगांव में आयोजित एक भव्य श्रमिक मेले में बेस्ट वर्कर्स यूनियन तथा मुंबई ऑटो रिक्शा-टैक्सीमेन यूनियन ने कामगार नेता शशांक राव के नेतृत्व में महायुति को खुला समर्थन देने की घोषणा की। इस अवसर पर शशांक राव ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, दोनों उपमुख्यमंत्री तथा मुंबई उपनगर पालक मंत्री आशीष शेलार द्वारा बेस्ट कर्मचारियों, मनपा कामगारों, श्रमिकों, रिक्शा और टैक्सी चालकों की समस्याओं पर समय-समय पर अपनाए गए सकारात्मक और संवेदनशील रुख के कारण यूनियन ने महायुति के समर्थन का निर्णय लिया है।

इस अवसर पर मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि 'मुंबई को चलाने वाला श्रमिक वर्ग ही इस शहर की असली ताक़त है। महायुति का महापौर केवल प्रशासनिक प्रमुख नहीं, बल्कि मेहनतकश मुंबईकरों की आवाज़ बनकर उनके अधिकारों और सम्मान की लड़ाई लड़ेगा।'

इससे पहले आज सुबह मंत्री आशीष शेलार ने बांद्रा पश्चिम के वार्ड क्रमांक 100 में महायुति की उम्मीदवार स्वप्ना म्हात्रे के समर्थन में पदयात्रा की। दोपहर बाद गोरेगांव में श्रमिक मेले को संबोधित किया। इसके पश्चात उन्होंने पश्चिम उपनगर में महायुति के उम्मीदवार संदीप पटेल, सौ. अनुराधा पेंडणेकर, विप्लव अवसारे, उज्वला मोडक, उमेश राणे और कमलेश राय के प्रचार में भाग लेकर मुंबईकरों से सीधा संवाद साधा।

महाराष्ट्र में गजब हो गया! इस नगर परिषद में कांग्रेस के समर्थन से बीजेपी को बहुमत, शिंदे गुट फायर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र की सियासत से बेहद ही दिलचस्प खबर सामने आई है. अंबरनाथ नगर परिषद में शिंदे गुट को किनारे करते हुए बीजेपी और कांग्रेस एकसाथ आ गई है. कांग्रेस के समर्थन से बीजेपी अंबरनाथ नगर परिषद में बहुमत हासिल करने जा रही है. शिवसेना (शिंदे गुट) ने इस गठबंधन को 'अभद्र युति' करार दिया है. यह गठबंधन शिंदे गुट को चुभने वाला साबित हुआ है. गौरतलब है कि महाराष्ट्र की सत्ता पर काबिज महायुति में बीजेपी, अजित पवार और एकनाथ शिंदे शामिल हैं.

बीजेपी को कांग्रेस और अजित पवार गुट का समर्थन

बीजेपी की तेजश्री करंजुले नगराध्यक्ष पद पर विजयी हुई हैं. बीजेपी के 16, कांग्रेस के 12 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के 4 कुल 32 नगरसेवकों का गठबंधन बनाकर बीजेपी बहुमत हासिल करने जा रही है.

शिवसेना के साथ किया विश्वासघात-विधायक

इस बीच शिंदे गुट ने बीजेपी पर तंज

कसते हुए इसे अभद्र युति बताया है. यह गठबंधन शिवसेना (शिंदे गुट) के लिए झटका माना जा रहा है. शिंदे गुट के विधायक बालाजी किनीकर ने कहा कि 'कांग्रेस-मुक्त भारत' की बात करने वाली बीजेपी ने कांग्रेस से हाथ मिलाकर शिवसेना के साथ विश्वासघात किया है.

बीजेपी उपाध्यक्ष ने किया पलटवार

बीजेपी उपाध्यक्ष गुलाबराव करंजुले पाटील ने कहा कि अगर पिछले 25 सालों से भ्रष्टाचार करने वाले शिंदे गुट के साथ सत्ता में बैठे होते तो वही असली 'अभद्र युति' होती. उन्होंने यह भी कहा कि अंबरनाथ नगर परिषद के लिए शिवसेना (शिंदे गुट) के साथ महायुति के संदर्भ में कई बार बातचीत करने की कोशिश की गई लेकिन उनके नेताओं की ओर से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली.

स्थानीय निकाय चुनाव में महायुति का जबरदस्त प्रदर्शन

बता दें कि दिसंबर में महाराष्ट्र में नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों के नतीजे घोषित किए गए थे. इन स्थानीय निकाय चुनावों में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी. महायुति ने 288 नगर परिषद और 207 नगर पंचायतों में अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की. वहीं इन चुनावों में विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी ने महज 44 सीटों पर ही जीत हासिल की.

कांग्रेस का सीएम फडणवीस के बयान पर पलटवार

'अगला मेयर भारतीय, महाराष्ट्रीयन और मुंबईकर होगा'

दिव्यांश

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत में नगर निकाय चुनावों से पहले ध्रुवीकरण पर बहस तेज हो गई है। इसी बीच महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने साफ कहा कि मुंबई का अगला मेयर भारतीय, महाराष्ट्रीयन और मुंबईकर होगा। उनका यह बयान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की हिंदू-मराठी मेयर संबंधी टिप्पणी पर परोक्ष लेकिन तीखा जवाब माना जा रहा है। कांग्रेस ने विकास को केंद्र में रखने की बात दोहराई है।

नागपुर में कांग्रेस नेताओं के साथ पार्टी का नगर निगम चुनाव घोषणापत्र जारी करते हुए सपकाल ने कहा कि भाषा और पहचान के नाम पर मेयर पद को बांटने की कोशिशें देश की विविधता में एकता की भावना को कमजोर करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास की चर्चा से ध्यान हटाने के लिए ऐसे नारे उछाले जा रहे हैं। सपकाल ने कहा कि कांग्रेस का रुख साफ है। मुंबई का मेयर किसी एक भाषा का नहीं, बल्कि पूरे शहर और देश का प्रतिनिधि होगा।

'स्मार्ट सिटी' पर क्या बोले सपकाल?

सपकाल ने कहा कि ध्रुवीकरण की होड़ में असली मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि 100 स्मार्ट सिटी का वादा आखिर कहां गया। उनके मुताबिक, नगर निकाय चुनावों में शहरों की सफाई, बुनियादी सुविधाएं, रोजगार और नागरिक सेवाओं पर बहस होनी चाहिए। कांग्रेस के नागपुर घोषणापत्र में क्लीन और स्मार्ट नागपुर का विजन रखते हुए 100 पार्षद जीतने का लक्ष्य रखा गया है।

बिना मुकाबले जीत पर आपत्ति

कांग्रेस ने राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर उन वार्डों में पुनर्मतदान की मांग दोहराई, जहां महायुति के उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए। साथ ही नोटा विकल्प को प्रभावी बनाने की मांग भी रखी गई। सपकाल ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मुकाबला और विकल्प जरूरी हैं, तभी जनादेश का सही प्रतिबिंब मिलता है।

विलासराव देशमुख पर बयान से बढ़ी तकरार

महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए सपकाल ने दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के योगदान को अद्वितीय बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा न केवल उनकी विरासत को कमतर आंकना चाहती है, बल्कि असंस्कृत राजनीति को बढ़ावा दे रही है। सपकाल ने भरोसा जताया कि हालिया नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में प्रदर्शन के आधार पर कांग्रेस नागपुर में फिर मेयर बनाएगी।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को झटका;

संतोष धुरी ने थामा बीजेपी का दामन, बोले- वफादारों को किया नजरअंदाज

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता संतोष धुरी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का दामन थाम लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने अपने ही वफादार कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज किया और मुंबई नगर निगम चुनावों में सीट बंटवारे के दौरान वार्ड शिवसेना (उद्धव ठाकरे) को दे दिए।

मुंबई भाजपा अध्यक्ष ने किया स्वागत

संतोष धुरी माहिम विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 194 से मनसे के टिकट के मजबूत दावेदार थे। लेकिन यह सीट शिवसेना (उद्धव ठाकरे) को दे दी गई। मनसे और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) ने 15 जनवरी को होने वाले बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के लिए गठबंधन किया है। मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम ने संतोष धुरी का पार्टी में स्वागत किया।

संतोष धुरी ने क्या आरोप लगाए?

धुरी ने दावा किया कि राज ठाकरे की पार्टी को वही वार्ड दिए गए, जहां शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के

लिए जीतना मुश्किल था। उन्होंने कहा कि माहिम, दादर, सेवरी, वर्ली और भांडुप जैसे मराठी भाषी इलाकों में मनसे ने कम से कम दो सीटों की मांग की थी। लेकिन केवल एक सीट ही दी गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मनसे नेता संदीप देशपांडे को सीट बंटवारे की बातचीत में शामिल तक नहीं किया गया।

मनसे के वफादार कार्यकर्ताओं को किया नजरअंदाज

धुरी ने कहा, महाविकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार ने हम पर हिंदुत्व के नाम पर मामले दर्ज किए और हमें महाराष्ट्र से बाहर रहने पर मजबूर किया। हमने सब कुछ भुला दिया। 2017 के नगर निगम चुनाव के बाद इन लोगों ने हमारे छह नगरसेवक ले लिए, वह भी हम भूल गए। उन्होंने कहा कि शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के टिकट चाहने वालों के लिए मनसे के वफादार कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने आरोप लगाया, राज साहब ने अपनी पार्टी उद्धव ठाकरे के सामने समर्पित कर दी है।

धुरी ने बताया कि मंत्री नितेश राणे ने उनसे संपर्क किया और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उनकी मुलाकात कराई।

बीजेपी की सहयोगियों को नसीहत- सावरकर का सम्मान करें, अजित पवार की एनसीपी बोली, 'हम आंबेडकरवादी हैं'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार ने मंगलवार (6 जनवरी) को कहा कि बीजेपी अपने गठबंधन साझेदारों से हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर के सम्मान की अपेक्षा करती है. उनके इस बयान पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई और उसने आंबेडकरवादी विचारधारा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया.

महानगरपालिका चुनाव प्रचार के दौरान सावरकर का जिक्र आने के बाद महायुति में शामिल दोनों दलों बीजेपी और एनसीपी के बीच टकराव देखने को मिला है. पुणे और पिंपरी चिंचवड निकाय चुनाव में अपने चाचा शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) से गठबंधन करने वाले अजित पवार नगर निकाय प्रशासन को लेकर बीजेपी के स्थानीय नेताओं के खिलाफ हमलावर रुख अपनाए हुए हैं.

मंत्री आशीष शेलार ने क्या कहा?

शेलार ने कहा, 'महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि पार्टी सारवकर की विचारधारा का अनुसरण करती है और बीजेपी के सहयोगियों से भी उनके विचारों का सम्मान करने की अपेक्षा की जाती है.'

शेलार ने कहा, 'अगर आप हमारे साथ आते हैं, तो हम मिलकर काम करेंगे. अगर नहीं आते हैं तब भी हम मिलकर काम करते रहेंगे. अगर आप हमारा

विरोध करते हैं तो हम भी आपका विरोध करेंगे, लेकिन हमारा काम चलता रहेगा.'

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और एनसीपी महायुति में बीजेपी के सहयोगी दल हैं.

एनसीपी नेता ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

एनसीपी नेता अमोल मिटकरी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बीजेपी की इस जिद पर सवाल उठाए कि अजित पवार और उनकी पार्टी को बीजेपी के वैचारिक नेतृत्व के तहत काम करना होगा.

मिटकरी ने 'एक्स' पर लिखा, 'केवल आप जानते हैं कि इस जोर-जबरदस्ती में कितनी सच्चाई है. फिलहाल मैं बस यही कहूंगा कि हम शिव-शाहू-आंबेडकर आंदोलन के प्रति प्रतिबद्ध थे, हैं और रहेंगे.' उन्होंने लिखा, 'भले ही हम उस विचारधारा को स्वीकार नहीं करें, जिसे स्वीकार करने की आप अपेक्षा करते हैं, फिर भी यह अकाट्य सत्य है कि आपको हमारी पार्टी की आंबेडकरवादी विचारधारा न चाहते हुए भी स्वीकार करनी होगी.'

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)